UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-182 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) रविवार 14 जून 2026 | youngbharatE-paper.com

यूपी के गांवों में विकास का नया कीर्तिमान..

सीएम योगी के नेतृत्व में पंचायती राज विभाग ने पांच वर्षों में रचा विकास का नया इतिहास

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पंचायती राज विभाग ने पिछले पांच वर्षों में ग्रामीण विकास, डिजिटल सुशासन, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विभाग की उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर प्रस्तुत किए गए विवरण में ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए किए गए कार्यों को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 57,694 ग्राम पंचायतें हैं और ग्रामीण आबादी लगभग 15.53 करोड़ है, जो राज्य की कुल जनसंख्या का 78 प्रतिशत है। बीते वर्षों में सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय स्थापित किए गए हैं तथा 24,311 पंचायत भवनों का

निर्माण कराया गया।

पंचायत सचिवालयों में फर्नीचर, कंप्यूटर, इंटरनेट और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। डिजिटल सेवाओं के विस्तार के तहत 54,958 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से 49.38 लाख से अधिक सेवाएं ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गईं। इससे पंचायतों की आय और पारदर्शिता दोनों में वृद्धि हुई। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने सामुदायिक शौचालय निर्माण में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। राज्य में हजारों गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रे-वाटर मैनेजमेंट और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल के माध्यम से पंचायतों की आय में भी वृद्धि हुई है। विभाग ने पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के क्षमता विकास पर भी विशेष जोर दिया है। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाखों जनप्रतिनिधियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है,

जबकि डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायत गेटवे पोर्टल और परिवार रजिस्टर के डिजिटलीकरण जैसे नवाचार ग्रामीण प्रशासन को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रहे हैं। आगामी वर्षों के लिए विभाग ने मेरा तालाब-मेरी जिम्मेदारी, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, डिजिटल लाइब्रेरी विस्तार, पंचायत उत्सव भवन और मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अब घर बैठे बढ़ाएं बिजली कनेक्शन का लोड

यूपीपीसीएल की नई ऑनलाइन सुविधा शुरू

(यंग भारत न्यूज)

आप उत्तर प्रदेश में रहते हैं और आपके घर या दुकान में बिजली की खपत बढ़ गई है, तो अब बिजली मीटर का लोड बढ़वाना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा. उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यूपीपीसीएल ने प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और आसान बना दिया है.

अब आपको लोड बढ़ाने के लिए बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि आप घर बैठे कुछ आसान स्टेप्स में ही आवेदन कर सकते हैं. नई व्यवस्था से समय की बचत होगी और प्रक्रिया भी ज्यादा तेज हो गई है. उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अब बिजली कनेक्शन का लोड बढ़ाने की प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया है, जिससे अब घर बैठे आसानी से किया जा सकता है. इस सुविधा के लिए अब किसी साइबर कैफे या फिर किसी ऑफिस जाने की आवश्यकता नहीं है. इसे आप खुद ही आसानी से घर पर कर सकते है. चलिए आपको बताते हैं स्टेप बाय स्टेप पूरा प्रोसेस.

ऑनलाइन लोड बढ़ाने के फायदे

आसान प्रक्रिया- उपभोक्ता वेबसाइट पर सीधे आवेदन कर सकते हैं.

डिजिटल भुगतान- लोड बढ़ाने के लिए प्रोसेसिंग फीस और अतिरिक्त सुरक्षा जमा (Security Deposit) का भुगतान भी ऑनलाइन किया जा सकता है.

ट्रांसपेरेंसी- यह प्रक्रिया तेज, ट्रांसपेरेंसी और पेपरलेस है.

स्मार्ट मीटर उपभोक्ता- अगर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है, तो लोड बढ़ाने पर सिक्योरिटी चार्ज नहीं लगेगा, केवल आवेदन शुल्क देय होगा.

अन्य सुविधाएं- 1912 पर कॉल करके या यूपीपीसीएल Smart App से भी जानकारी ली जा सकती है.

घर बैठे मीटर का लोड कैसे बढ़ाएं?

यूपीपीसीएल की आधिकारिक वेबसाइट uppcl.org पर जाएं.

Consumer Corner में Load Change Request या Jhatpat Connection पोर्टल पर जाएं.

अपना उपभोक्ता नंबर दर्ज करें.

जितना लोड बढ़ाना है, उसे भरें और ऑनलाइन फीस का भुगतान करें.

इसके अलावा जन सुविधा केंद्रों पर जाकर भी इस सेवा का लाभ उठाया जा सकता है.

सुर्खियां.............

ग्राम हरदोईराजा में सार्वजनिक कुएं पर अतिक्रमण की एसडीएम से की शिकायत

जालौन-उरई। ग्राम हरदोईराजा में सार्वजनिक कुएं पर अतिक्रमण को लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य ने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है। उन्होंने कुंए के आसपास से अतिक्रमण हटवाने की मांग की है। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम हरदोईराजा निवासी बीडीसी सदस्य अरुण पटेल ने एसडीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव में स्थित सार्वजनिक कुएं पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। इस बारे में वह पूर्व में भी लिखित और मौखित शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण रासलीला का वर्णन किया

जालौन-उरई। क्षेत्रीय ग्राम भदवां में श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण रासलीला का वर्णन भागवताचार्य पंडित अशोक शास्त्री ने किया। भागवत कथा व्यास पंडित अशोक शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की अनेक लीलाओं में श्रेष्ठतम लीला रासलीला का वर्णन करते हुए बताया कि रास तो जीव का शिव के मिलन की कथा है। यह काम को बढ़ाने की नहीं काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है।

मोहल्ले में बांस बल्लियों के सहारे लटक रहे हैं बिजली के तार, हादसे की आशंका

जालौन-उरई। मोहल्ले में बांस बल्लियों के सहारे तार लटक रहे हैं। जिससे खतरा बना रहता है। मोहल्ले में दो पोल की आवश्यकता है। मोहल्ले के लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों ने मोहल्ले में दो पोल लगवाने की मांग की है।

शाह जैसा चाणक्य लीडर कांग्रेस के पास एक भी नहीं...इस्तीफे के बाद अचानक भाजपा की तारीफ करने लगे कांग्रेस नेता

(यंग भारत न्यूज)

मध्य प्रदेश में कांग्रेस से राज्यसभा चुनाव की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। नामांकन केस में उन्हें किसी प्रकार की कोई राहत नहीं मिली है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि प्रदेश की तीनों राज्यसभा सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध विजेता बने हैं। इसी बीच कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके नेता नरेश ज्ञानचंदानी की एक पोस्ट से सियासी हलचल तेज हो गई है। ये वहीं ज्ञानचंदानी है जिन्होंने मीनाक्षी नटराजन का नाम बतौर उम्मीदवार घोषित होते ही सबसे पहले विरोध दर्ज करवाया था और दिग्विजय सिंह को इस सीट के लिए परफेक्ट उम्मीदवार बताया था। इतना ही नहीं इसी विरोध के चलते उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। अब जब मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द हो चुका है और

भाजपा के महेश केवट विजेता घोषित हो चुके हैं तो नरेश ज्ञानचंदानी की एक पोस्ट सामने आई है। जिसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या नरेश ज्ञानचंदानी भाजपा में चले जाएंगे?

भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से कांग्रेस के दो बार प्रत्याशी रह चुके नरेश ज्ञानचंदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए लिखा- जैसे भाजपा में अमित शाह जैसा चाणक्य लीडर है वो लगातार पार्टी को हर जगह जिता रहा है ऐसा इस समय आपके पास एक भी नेता नहीं है और जो है उसकी कद्र नहीं है। मैंने कई बार मैसेज किया था कि राजनीति के चाणक्य दिग्विजय सिंह की सख्त जरूरत है। बता दें कि करीब 37 वर्षों तक कांग्रेस से जुड़े रहे ज्ञानचंदानी का यह पोस्ट ऐसे समय सामने आई है। जब राज्यसभा चुनाव में हार के बाद प्रदेश की राजनीति गर्माई हुई है। ज्ञानचंदानी ष्ठद्बद्द1द्बद्भड्ड4ड्ड स्द्बठ्ठद्दद्ध के करीबी माने जाते रहे हैं और अक्सर प्रदेश की राजनीति को लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। अचानक से अमित शाह का इस कद्र गुणगान करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाना कहीं न कहीं उनका भाजपा के प्रति विश्वास और भरोसा पैदा करना दर्शाता है। इतना ही नहीं इससे पहले भी उन्होंने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने को लेकर अपने फैसले को सही बताते हुए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए लिखा था- अगर मेरे आग्रह को गंभीरता से लिया होता तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं हो पाती आज कांग्रेस यह राज्यसभा सीट जीत भी लेती। मैं हमेशा पार्टी के हित में ही आपको ट्वीट करता हूं।

सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट को पलीता लगा रहे हैं बैंक के भ्रष्ट अधिकारी

सीएम योगी द्वारा बेरोजगारों के लिए लांच की गई ऋण योजना का भट्टा बैठाल रहे हैं बेईमान बैंक अधिकारी

पढ़ें यंग भारत की एक खास रिपोर्ट

अनिल शर्मा +संजय श्रीवास्तव

उरई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के युवा बेरोजगारों को सी एम युवा उद्यमी योजना के तहत रोजगार देने के लिये महत्वाकांक्षी योजना में प्रत्येक बेरोजगार को ?5 लाख तक का बैंक से लोन दिलाकर उसको अपना उद्योग लगाने की योजना जनवरी 2025 में बनाई थी। इसके पीछे उनका उद्देश्य यह था कि एक बेरोजगार जब अपना उद्योग लगाएगा तो कम से कम 4 से 5 बेरोजगारों को रोजगार देने में भी सक्षम हो जाएगा जिसके चलते जो बेरोजगारों की संख्या उत्तर प्रदेश में बढ़ रही है उसमें अंकुश लगेगा लेकिन मुख्यमंत्री की इस पवित्र योजना को बैंक के भ्रष्ट मैनेजर और फील्ड ऑफीसरों ने इसमें पलीता लगा दियाहै जिसका परिणाम यह हुआ कि जो ईमानदार बेरोजगार हैं उन्हें बैंक से लोन लेने में चप्पल और जूते के तलेघिस जाते हैं लेकिन उन्हें लोन नहीं दिया जाता लेकिन जो लोग भ्रष्ट मैनेजरों औरफील्ड ऑफीसरों को सुविधा शुल्क दे देता हैद्य तो उसका घर बैठे लोन पास हो जाता है वरना ईमानदार बेरोजगार बैंकों के चक्कर काटते काटते हताश होकर अपने घर बैठ जाता है। मुख्यमंत्री की इस योजना का लोन लेने वाले कई पीड़तों ने बताया कि पिछले साल बैंकों से 5 लाख का लोन लेने के लिये भ्रष्ट मैनेजरों को 50,000 का सुविधा शुल्क देना होता था। लेकिन ईरान और इजरायल के युद्ध के चलते पेट्रोल डीजल और गैस की किल्लत के चलते हर क्षेत्र में बड़ी महंगाई के कारण भ्रष्ट बैंक मैनेजर और फील्ड ऑफीसरों ने अब 5 लाख के लोन पर एक लाख दस हजार रुपये का सुविधा शुल्क तयकर रखा है। इसका परिणाम यह है जो सुविधा शुल्क नहीं दे पता उसका लोन पास होना मुश्किल ही है। जबकि सुविधा शुल्क देने वाले लाभार्थी का लोन एक से 8 दिन के अंदर पास होकर उसके खाते में पहुंच जाता है।

मुख्यमंत्री की क्या है यह योजना

पहली शर्त यह है कि वह उत्तर प्रदेश का बेरोजगार 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच का हो दूसरा वह कम से कम कक्षा 8 पास हो जिस जगह वह अपना उद्योग लगाना चाहता है वह दुकान या जमीन उसकी अपनी हो। और अगर किराए की हो तो रेंट एग्रीमेंट होना चाहिए द्यलेकिन इसमें यह कहीं नहीं है कि अगर बेरोजगार किराए के मकान में रह रहा है तो उसे रेंट एग्रीमेंट देना होगा। इसमें जो मुख्य डॉक्यूमेंट से उनमें आधार कार्ड पैन कार्ड आय निवास जाति प्रोजेक्ट रिपोर्ट कोटेशन इतने कागज होना अनिवार्य है। लेकिन इन्हीं का आधार बनाकर बैंक अधिकारी कभी किराया का एग्रीमेंट तो कभी आधार कार्ड के पते को लेकर अकारन् ही अभ्यर्थी को इतना परेशान कर देते हैं कि वह अपना सर पकड़ कर घर बैठ जाता है। वहीं दूसरी तरफ बैंक अधिकारियों का सुविधा शुल्क अदा करने वाला बिना कुछ किएआराम से अपने खाते में लोन पा जाता है। बैंक एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक जालौन जिले में 17 सौ लाभार्थियों का टारगेट प्रदेश शासन ने जिले के 20 बैंकों की 159 ब्रांचो के लिए तय किया था जिसमें आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि 1700 में से 1540 लाभार्थियों को लोन देने का काम पूरा कर लिया गया है] जिसमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की 52 ब्रांचो ने इंडियन बैंक की 30 ब्रांचो ने एसबीआई की 14 ब्रांचो ने सेंट्रल बैंक की सात ब्रांचो ने पंजाब नेशनल बैंक की चार ब्रांच ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा की चार ब्रांचो ने और केनरा बैंक की तीन ब्रांचो ने बैंकों की एक एक ब्रांचो 1540 लाभार्थियों को लोन देना दिखाया है]जो टारगेट का 90 प्रतिशत से अधिक है] जबकि अगर गहराई से जांच की जाए तो 75 से 80 परसेंट लोन लेने वाले लाभार्थी का लोन बैंक के कागजों में ही निकलेगा। मौके पर कोई उद्योग या कोई प्रतिष्ठान चलता हुआ नहीं मिलेगा। मिलेंगे तो सिर्फ 15 से 20 प्रतिशत ही चलते हुए उद्योग मिलेंगे इसी तरह अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक के लिए प्रदेश शासन ने 16 सौ लाभार्थियों को सी एम युवा उद्यमी योजना के तहत बैंक से 5 लाख का लोन देने का टारगेट दिया है 26 मार्च 026 से 12 जून 026 तक जिले की 20 बैंकों की 159 ब्रांचो ने अभी तक कुल 430 लाभार्थियों को यह लोन दे दिया है इसमें सबसे बड़ी बात यह है एचडीएफसी बैंक आईसीआईसी बैंक और एक्सिस बैंक ने एक भी लाभार्थी को 5 लाख का मुख्यमंत्री की इस योजना का लोन देने की जरूरत नहीं समझी है द्यइस खुले भ्रष्टाचार से त्रस्ट अभ्यर्थियों ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री से मांग की है कि मुख्यमंत्री के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को जो भ्रष्ट बैंक मैनेजर और फील्ड ऑफिसर पलीता लगा रहे हैं उनकी गहराई से जांच की जाए और भ्रष्ट अधिकारियोंकेखिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि मुख्यमंत्री का सपना पूरा हो सके और बेरोजगार और न सिर्फ अपना उद्योग लगाए और अन्य बेरोजगारों को भी रोजगार देने का काम पूरा हो सके ताकि प्रदेश में बेरोजगारी पर अंकुश लगाया जा सके आपको बताते चलें इस योजना का लाभ पाने वाले लाभार्थी को 5 लाख का लोन पाने के लिए 50000 की मार्जिन मनी जमा करनी होती है। जबकि उद्योग लगाने के लिए जो भी सामान खरीदना है उसका जीएसटी सहित बिल बैंक को देना अनिवार्य है जिसमें इस लोन का लगभग 90000 रुपए जीएसटी के रूप में लाभार्थी का कट जाता है अगर इसमें 1,10000 सुविधा शुल्क जोड़ दिया जाए तो दो लाख हो जाती है अगर इसमें 50000 जो मार्जिन मनी है लाभार्थी जो जमा करता है अगर गरीब है तो उसे जमा करने में बड़ी दिक्कत आती है हालांकि यह मार्जिन मनी वापस लाभार्थियों खाते में आ जाती है लेकिन अगर इस टोटल खर्चों को जोड़ा जाए तो ढाई लाख हो जाता है जो व्यक्ति शुरुआत में ढाई लाख खर्च कर देगा तो उसके पास ढाई लाख रुपए ही बचेंगे जिसका परिणाम है कि मुख्यमंत्री के ऐसे ड्रीम प्रोजेक्ट में लाभार्थी बैंक अधिकारियों को सुविघा शुल्क देकर फर्जी जीएसटी बिल बनवाकर लगा देते हैं लेकिन जमीन पर उद्योग नहीं लगते कागजों पर तो उद्योग चलते हुए दिखाई देते हैं द्यलेकिन वास्तव में तमाम लाभार्थी भ्रष्ट बैंक अधिकारियों दोनो मीलकरहजम कर जाते हैं और उद्योग की जगह और बेरोजगारों को रोजगार देने की जगह वे सिर्फ बैंक की 10000 की मासिक किस्त जमाही करते है ये एक गंभीर घोटाला है। इसकी अगर जांच गहराई से की जाए तो सच्चाई उभर कर सामने आ जाएगी।

इस संबंध में जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे का कहना है की जो भी बैंक का अधिकारी या कर्मचारी किसी लाभार्थी से इस योजना के तहत किसी तरह का सुविधा शुल्क मांगता है तो उसकी शिकायत मुझे करें द्यतथ्य सही पाए जाने पर उसे बैंक के अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- 5 लाख के लोन पर बेरोजगारो से अब एक लाख दस हजार रुपये कमीशन मांग रहे हैं बैंक अधिकारी
- कैसे होगा सरकार का बेरोजगारी दूर करने का जनता से किया गया वादा पूरा
- 5 लाख लोन लेने वाला बेरोजगार यदि एक लाख कमीशन दे देगा तो कमाएगा क्या और खायगा क्या, कैसे जमा होंगी बैंक की किश्ते
- इसी कारण से बेरोजगारों में उक्त लोन लेने का उत्साह नहीं बन पा रहा

प्रशासनिक मौन के बीच माधौगढ़ में अवैध मिट्टी खनन का काला खेल जारी

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में इन दिनों खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। माधौगढ़ तहसील क्षेत्रों में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, माधौगढ़ क्षेत्र के भीम नगर और उसके आस-पास के इलाकों से दिन-रात मिट्टी का अवैध उत्खनन कर उसे ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल पर स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है, जिससे क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश है।

सड़कों पर 'यमदूत' बने दौड़ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली

ग्रामीणों का आरोप है कि भीम नगर से लेकर पूरे माधौगढ़ क्षेत्र में दिन हो या रात, मिट्टी से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़कों पर बेखौफ होकर फर्राटा भर रहे हैं। इन ट्रैक्टरों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि सड़कों पर चलने वाले राहगीरों और स्कूली बच्चों की जान हमेशा जोखिम में बनी रहती है। तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ते इन वाहनों के कारण धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आखिर किसकी शह पर हो रहा है यह खेल?

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार बिना किसी डर के संचालित हो रहा है? नियमानुसार मिट्टी खनन के लिए संबंधित विभाग से उचित अनुमति और रॉयल्टी का भुगतान करना अनिवार्य होता है। लेकिन यहाँ नियमों को ताक पर रखकर, बिना किसी डर के हर दिन सैकड़ों चक्कर ट्रैक्टर दौड़ रहे हैं। जनता का सीधा सवाल है कि क्या इस अवैध धंधे में स्थानीय पुलिस और खनन विभाग की मूक सहमति है? क्योंकि बार-बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली है।

बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है प्रशासन

बिना किसी सुरक्षा मानकों और रिफ्लेक्टर के रात के अंधेरे में दौड़ने वाले ये ट्रैक्टर-ट्रॉली कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। पहले भी इस तरह के अवैध वाहनों के कारण कई मासूम अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन जालौन प्रशासन शायद किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है।

› स्थानीय निवासियों की मांग:

› 'क्षेत्र की जनता ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि इस अवैध मिट्टी खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, इससे पहले कि कोई बड़ा हादसा किसी हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दे।

› अब देखना यह होगा कि इस खबर के सामने आने के बाद जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी जागते हैं या खनन माफियाओं का यह अवैध साम्राज्य इसी तरह बेखौफ चलता रहेगा।

महिला की हत्या के प्रकरण में चार आरोपी गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद

(यंग भारत न्यूज)

उरई । थाना कदौरा पुलिस ने महिला हत्या के एक चर्चित मामले का सफल अनावरण करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त रक्तरंजित ईंट भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 12 जून 2026 को वादी लालाराम द्वारा सूचना दी गई थी कि आरोपियों ने उनकी पत्नी कमला, पुत्र वीरेंद्र व रोहित, बहू शशिप्रभा तथा नाती अंकित के साथ गाली-गलौज व मारपीट की थी। मारपीट के दौरान शशिप्रभा के सिर पर ईंट से प्रहार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज झांसी में उनकी मृत्यु हो गई। मामले में थाना कदौरा में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में रामपाल (57 वर्ष), दयाराम (55 वर्ष), हल्के उर्फ विजय (38 वर्ष) तथा बाबू (45 वर्ष) निवासी ग्राम मड़वार, थाना कदौरा, जनपद जालौन शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक रक्तरंजित ईंट भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना कदौरा पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

29वीं अंतरजनपदीय पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई । रिजर्व पुलिस लाइन उरई में शनिवार को 29वीं अंतरजनपदीय पुलिस जूडो क्लस्टर (महिला एवं पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में जूडो, कराटे, ताइक्वांडो, वुशु तथा पेनक सिलाट जैसी विभिन्न मार्शल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कानपुर जोन के विभिन्न जनपदों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें खेल भावना, अनुशासन और आपसी सौहार्द के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल का भी विकास करते हैं। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ. ईशान सोनी, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहगढ़, इटावा, औरैया, कन्नौज, जालौन, झांसी तथा ललितपुर सहित विभिन्न जनपदों की टीमों ने सहभागिता की। उद्घाटन समारोह के पश्चात खिलाड़ियों द्वारा अभ्यास मैच खेले गए, जिनमें प्रतिभागियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ से खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा आगामी मुकाबलों को लेकर सभी टीमों में विशेष जोश दिखाई दिया। यह प्रतियोगिता पुलिस कर्मियों के बीच खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, शारीरिक दक्षता विकसित करने और आपसी समन्वय को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

गंदगी में डूबे ऐतिहासिक कुएं, सुंदरीकरण योजना पर उठे सवाल

राठौरनपुरा गांव में उपेक्षा का शिकार बने प्राचीन कुएं, ग्रामीणों ने की सुंदरीकरण की मांग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन)। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के राठौरनपुरा गांव में स्थित प्राचीन कुएं आज बदहाली और गंदगी की मार झेल रहे हैं। वर्षों पुराने इन कुओं की हालत लगातार खराब होती जा रही है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इनके संरक्षण और सुंदरीकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कुओं के आसपास झाड़ियां उग आई हैं, टूट-फूट साफ दिखाई दे रही है और कई स्थानों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा गांवों में सौंदर्यीकरण और धरोहर संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन राठौरनपुरा के इन ऐतिहासिक कुओं को अब तक किसी योजना का लाभ नहीं मिल सका है। पंचायत स्तर पर भी इनकी साफ-सफाई और मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार ये कुएं गांव की पहचान और सांस्कृतिक विरासत हैं। यदि समय रहते इनका जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण नहीं कराया गया तो यह धरोहर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा विकास कार्यों पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन इन ऐतिहासिक धरोहरों की अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागों से मांग की है कि कुओं की साफ-सफाई कराकर उनका सुंदरीकरण कराया जाए, ताकि गांव की ऐतिहासिक पहचान सुरक्षित रह सके और आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत को देख सकें। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत और प्रशासन पहल करें तो मनरेगा तथा ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के माध्यम से इन कुओं का सौंदर्यीकरण और संरक्षण कराया जा सकता है।

पत्रकार संगठन 'उपज' के हस्तक्षेप से मान्यता प्राप्त अशोक पुरवार के उत्पीड़न का मामला एसपी ने कर दिया निस्तारित, निष्पक्ष कार्रवाई का मिला भरोसा

- हिस्ट्रीशीटर द्वारा धमकी और अभद्रता के मामले में उठी कार्रवाई की मांग
- उपज पत्रकार संगठन ने कहा– पत्रकारों के उत्पीड़न पर रहेगा एकजुट समर्थन
- पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक से फोन पर ली जानकारी, न्याय का दिया आश्वासन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। तहसील कालपी निवासी वरिष्ठ एवं मान्यता प्राप्त पत्रकार अशोक कुमार पुरवार, जिला संवाददाता हैं, के साथ कथित रूप से एक हिस्ट्रीशीटर द्वारा धमकाने और गाली-गलौज किए जाने के मामले को लेकर पत्रकारों में रोष व्याप्त है। आरोप है कि घटना के बावजूद कालपी पुलिस द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।

इसी संबंध में कालपी के पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह से मिला और पूरे मामले से उन्हें अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकार की सुरक्षा तथा निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई। इस दौरान उरई उपज पत्रकार संगठन के संरक्षक अनिल शर्मा एवं संजय श्रीवास्तव (प्रधान संपादक, दैनिक यंग भारत) ने संयुक्त रूप से कहा कि पत्रकार किसी भी संगठन से जुड़ा हो, यदि उसके साथ किसी प्रकार का उत्पीड़न होता है तो उपज पत्रकार संगठन उसके समर्थन में खड़ा रहेगा। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले में किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने तत्काल प्रभारी निरीक्षक कालपी से फोन पर जानकारी प्राप्त की और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि पत्रकारों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाएगा तथा मामले की कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में बृजेंद्र सिंह चौहान, हरिश्चंद्र दीक्षित 'बापू', राजू सैनी ज्ञानेंद्र मिश्रा, पवनदीप निषाद, सोनू सहित अन्य पत्रकार शामिल रहे। सभी ने पत्रकार अशोक कुमार पुरवार से जुड़े मामले में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकर्षित किया। एसपी द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि मामले में जल्द ही न्यायोचित कार्रवाई सामने आएगी।

थाना कुठौंद में समाधान दिवस का आयोजन के संपन्न होने के बाद आ धमके ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही

फरियादियों की सुनी शिकायतें सम्बंधित कर्मचारियों को बैगैर कोई बिलम्ब के निस्तारण करने का दिए आदेश

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। वरिष्ठ उपनिरीक्षक शीलबंत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ थाना समाधान दिवस, आठ शिकायतें दर्ज, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देशराजस्व विभाग से संबंधित रहीं सभी शिकायतें, वरिष्ठ उपनिरीक्षक ने समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई पर दिया जोर जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से माह के द्वितीय शनिवार को कुठौंद थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ उपनिरीक्षक शीलबंत सिंह ने की। समाधान दिवस के दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में कुल आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें सभी शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं। प्राप्त प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका, लेकिन वरिष्ठ उपनिरीक्षक शीलबंत सिंह ने संबंधित राजस्व कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। भले ही समाधान दिवस संपन्न होने के बाद आए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही उन्होंने अपना कड़ा रुख करते हुए कहा किसी भी शिकायत को लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। शिकायतों का निस्तारण अति शीघ्र करने की जिम्मेदारी निभाएं। वरना किसी भी राजस्व कर्मचारी को बक्सा नहीं जाएगा। थाना समाधान दिवस शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से पुलिस एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से लोगों की समस्याओं का निराकरण करते हैं। उन्होंने उपस्थित पुलिस विभाग के कर्मचारी एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखें तथा फरियादियों को अनावश्यक परेशान न होने दें। उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है। शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से ही शासन की मंशा को धरातल पर साकार किया जा सकता है। समाधान दिवस में उपस्थित रहे उपनिरीक्षक हर्षवर्धन त्रिपाठी, उपनिरीक्षक छविराम, उपनिरीक्षक सत्यपाल सिंह, उपनिरीक्षक ओमप्रकाश, कांस्टेबल कपिल देव, रवि गुप्ता, शरद यादव, बिल्लू राणा, प्रवीण शर्मा तथा ब्रजेश कुमार मौजूद रहे। वहीं राजस्व विभाग की ओर से लेखपाल विक्रम सिंह, नैन्सी, रामजी मिश्रा, अभय सिंह, अशोक कुमार एवं अजय कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोहर्रम को लेकर थाना माधौगढ़ में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

सीओ अंबुज सिंह यादव एवं एसडीएम विनय कुमार मौर्य रहे मौजूद, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। आगामी मोहर्रम एवं ताजिया जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना माधौगढ़ परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंबुज सिंह यादव एवं उप जिलाधिकारी (एसडीएम) विनय कुमार मौर्य ने जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द का प्रतीक है। सभी लोग प्रशासन का सहयोग करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। सीओ अंबुज सिंह यादव ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने उपस्थित लोगों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी आयोजक शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। बैठक में नगर एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, ताजियादार, धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कुठौंद थाना परिसर में मुहर्रम (ताजिया) को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। कुठौंद थाना परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक जगदंबा प्रसाद दुबे की अध्यक्षता मेंआगामी मुस्लिम त्यौहार मुहर्रम (ताजिया)को लेकर पीस कमेटी का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना, धर्मगुरु,पुजारी, प्रधान एवं पत्रकार आदि मौजूद रहे थाना प्रभारी ?निरीक्षक ने उपस्थित सभी भाइयों को संबोधित करते हुए बताया कि आगामी त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न फैलाएं जिससे शांति भंग न हो सके ।ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी थाना कुठौंद प्रभारी निरीक्षक ने आगामी मुस्लिम त्योहार मुहर्रम (ताजिया) के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई ।इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ उप निरीक्षक शीलवन्त सिंह, एस आई कन्हई सिंह, हदरूख पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश गौतम,एस आई तिरमल सिंह,एस आई शिव भूषण प्रजापति, एस आई सत्य पाल सिंह, एस आई ओमप्रकाश सिंह, एस आई सर्वेश सिंह तथा प्रधान /प्रशासक गण नरेन्द्र महांत कुठौंद, महेश कुमार बिचौली, भारत सिंह मदारीपुर, छोटूपाल भदेख,जीतू गुर्जर नैनापुर,इन्द्र पाल सिंह ऐको, कुंवर सिंह पाल रन्धीरपुर, नरेन्द्र तिवारी कैथवा सहित कई प्रधान मौजूद रहे एवं धर्मगुरु पुजारी व व्यापारी गण तथा मौलाना एवं पत्रकार गण आदि उपस्थित रहे।

शिव शक्ति अखाड़ा की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, नवरात्रि में शस्त्र पूजन का लिया संकल्प

-ब्लॉक स्तर तक संगठन मजबूत करने का अभियान तेज करने का निर्णय

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। शनिवार 13 जून को नगर के मोहल्ला मनीगंज स्थित विश्वनाथ मंदिर परिसर में शिव शक्ति अखाड़ा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पालक वीरेंद्र जी ने की। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को जन-जन तक पहुंचाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आगामी नवरात्रि पर्व के दौरान अधिक से अधिक सनातन धर्मावलंबियों द्वारा शस्त्र पूजन कराए जाने का निर्णय लिया गया, जिससे समाज में धर्म, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। बैठक में संगठन के विस्तार को गति देने के लिए कालपी क्षेत्र सहित जनपद स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति तैयार की गई। जिला प्रमुख दीपक शर्मा को ब्लॉक स्तर तक संगठन को मजबूत करने, नए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा संगठनात्मक ढांचे को विस्तार देने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान संगठन के कार्यों को गांव-गांव और नगर-नगर तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला प्रमुख दीपक शर्मा, नीलाभ शुक्ला, निखिल पंडित, सूरज शर्मा, राज सोनी, कुलदीप निषाद, अभिषेक ठाकुर, छोटू राजा, अंश, शनि, संजू, आशिक, हिमांशु पंडित, सीपू, मोहन, सौरभ सिंह, विशाल, दीपांकर, भैया जी एवं निशू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में संगठन के विस्तार एवं सनातन समाज के हित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।

नदीगांव पुलिस ने तमंचा कारतूस सहित दो आरोपियों को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के थाना नदीगांव पुलिस ने तमंचा कारतूस सहित गृहभेदन सामग्री के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार उक्त दोनों अभियुक्त चोरी की किसी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। नदीगांव थानाध्यक्ष शशिकांत चौहान की अगुवाई में उपनिरीक्षक मुकेश द्विवेदी,सिपाही देवेश कुमार, गजेंद्र सिंह, सुमित पाठक ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर नदीगांव कस्बा स्थित गौरैया माता मंदिर तिराहे से विनय शर्मा उर्फ सौरभ पुत्र कमलेश और रिंकू शर्मा पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम लोहई थाना नदीगांव को गिरफ्तार कर लिया। जामातलाशी में पुलिस ने इनके पास से 315 बोर का एक अवैध देशी तमंचा, दो जिंदा कारतूस, लोहे का सब्बल, लोहे का कटर, चाकू, प्लास बरामद किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 313 बीएनएस, 3/25 व 4/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त दोनों गिरफ्तार अभियुक्त कस्बा नदीगांव में चोरी की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस द्वारा आसपास के थानों से संपर्क किया जा रहा है।

रंगोली में प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार की रात्रि जन चौपाल

डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन कर गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

(यंग भारत न्यूज)

उरई। डकोर विकासखंड की ग्राम पंचायत रंगोली में शुक्रवार देर रात उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के राज्यमंत्री तथा जालौन जिले के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार ने रात्रि जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा। इस अवसर पर उन्होंने गांव में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और शैक्षणिक संसाधनों का लाभ मिल सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी विभाग की ओर से गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रभारी मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा छोटे बच्चों को अन्नप्राशन कराकर उनके स्वस्थ भविष्य की कामना की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। रात्रि जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। संजय सिंह गंगवार ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से अब तक गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा कौशल विकास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। रात्रि जन चौपाल का उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है जो अभी तक किसी कारणवश सरकारी योजनाओं से नहीं जुड़ सके हैं।

मोबाइल की चमक ने निगल लिए प्राचीन खेल, ग्रामीण खेलों की परंपराएं, चौपड़, कौड़ी और चपेटा आज भी देते हैं परिवार को जोड़ने का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन के बुंदेलखंड की पहचान केवल उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैभव से ही नहीं, बल्कि गांवों में जीवित रही उन पारंपरिक खेल परंपराओं से भी रही है, जिन्होंने पीढ़ियों को एक-दूसरे से जोड़े रखा। जनपद जालौन के गांवों में गर्मी का मौसम कभी बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए खेल-कूद और सामूहिक मेलजोल का समय हुआ करता था। गांव की चौपाल, पेड़ों की छांव, आंगन और गलियां लोगों की हंसी-खुशी से गूंजती थीं। लेकिन आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने इन परंपरागत खेलों को धीरे-धीरे हाशिए पर पहुंचा दिया है।

कुछ वर्ष पहले तक जालौन के ग्रामीण क्षेत्रों में शाम होते ही लोग अपने कामकाज से निवृत्त होकर चौपालों पर इकट्ठा होते थे। बुजुर्ग चौपड़ और कौड़ी खेलते थे तो महिलाएं और लड़कियां चपेटा, फुगड़ी और रस्सीकूद जैसे खेलों में हिस्सा लेती थीं। बच्चे कबड्डी, गुल्ली-डंडा, पिट्ठू और लुकाछिपी खेलकर अपना समय बिताते थे। इन खेलों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाना और सामूहिक जीवन की भावना को विकसित करना भी था। श्रीमती संध्या पुरवार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से चपेटा खेल का अपना अलग महत्व रहा है। यह खेल लड़कियों और महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय था। छोटी-छोटी गोटियों या पत्थरों के साथ खेले जाने वाले इस खेल में धैर्य, एकाग्रता और संतुलन की आवश्यकता होती है। गांव की बुजुर्ग महिलाएं बताती हैं कि चपेटा केवल खेल नहीं था, बल्कि बच्चों को अनुशासन, सहयोग और परिवार में मिल-जुलकर रहने की सीख देने का माध्यम भी था। खेल के दौरान सभी एक साथ बैठते, बातचीत करते और आपसी रिश्तों को मजबूत बनाते थे। इसी प्रकार चौपड़ और कौड़ी जैसे खेल बुजुर्गों के बीच सामाजिक संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम थे। चौपालों पर घंटों तक चलने वाले इन खेलों में केवल जीत-हार ही नहीं होती थी, बल्कि गांव के सामाजिक, पारिवारिक और कृषि संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा होती थी। यही कारण था कि इन खेलों ने गांवों में सामुदायिक एकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जालौन के महेवा, कदौरा, कुठौंद, डकोर, माधौगढ़ और रामपुरा ब्लॉकों के गांवों में आज भी कहीं-कहीं इन पारंपरिक खेलों की झलक दिखाई देती है। हालांकि इनकी संख्या लगातार कम होती जा रही है। नई पीढ़ी का अधिकांश समय मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स में बीत रहा है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी अक्सर अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त दिखाई देते हैं। इससे आपसी संवाद और सामाजिक मेलजोल में कमी आई है। डॉक्टर हरिमोहन कुमार वरिष्ठ इतिहासकार ने बताया कि इंटरनेट और मोबाइल तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके कारण सामूहिक गतिविधियों में कमी आई है। पहले जहां बच्चे मैदानों में खेलते हुए मित्रता और टीम भावना सीखते थे, वहीं अब वे वर्चुअल दुनिया तक सीमित होते जा रहे हैं। इसका असर उनके शारीरिक और सामाजिक विकास पर भी पड़ रहा है। यदि पारंपरिक खेलों को बचाना है तो स्कूलों, ग्राम पंचायतों और सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। गांव स्तर पर चौपड़, कौड़ी, चपेटा, कबड्डी और अन्य पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी चाहिए। इससे नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझ सकेगी और सामाजिक रिश्तों की अहमियत भी जान पाएगी। बदलते दौर में मोबाइल और इंटरनेट जीवन का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उन परंपराओं को भी बचाए रखना जरूरी है जिन्होंने समाज को जोड़ने का काम किया। चौपड़, कौड़ी और चपेटा जैसे खेल केवल मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि वे परिवार, समाज और संस्कृति को एक सूत्र में बांधने वाली अमूल्य धरोहर हैं। यदि इन्हें संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां केवल इनके नाम सुनेंगी, इनके सामाजिक महत्व को महसूस नहीं कर पाएंगी।

जोल्हूपुर चेकपोस्ट पर ओवरलोड वाहनों को लेकर हंगामा, ट्रक संचालकों और अधिकारियों में तीखी झड़प

(यंग भारत न्यूज)

- **ओवरलोडिंग रोकने के डीएम के साफ साफ आदेशो के बावजूद अंधाधुंध चल रहे हैं ओवरलोड ट्रक**
- **चहेतो के ट्रको को चुपचाप निकाल देंने के आरोप, चेकिंग के नाम पर चीन चीन कर बांटी जा रहीं है रेवड़ियां**
- **हंगामे के बीच परिवहन विभाग का अधिकारी मौके से रवाना, विभागी कार्रवाई पर टिकी हैं सबकी गहरी निगाहें**

कालपी (जालौन)। जनपद में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच शनिवार को जोल्हूपुर चेकपोस्ट पर उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब कई ट्रांसपोर्टरों और चेकिंग में लगे अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार ओवरलोड वाहनों की जांच के दौरान पक्षपात और मनमानी के आरोप लगाए गए, जिसके चलते माहौल तनावपूर्ण हो गया।

बताया जाता है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों की रोकथाम के लिए जोल्हूपुर क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। चेकिंग के दौरान कुछ ट्रांसपोर्टरों ने आरोप लगाया कि चुनिंदा वाहनों को बिना किसी रोक-टोक के आगे जाने दिया जा रहा है, जबकि अन्य वाहनों को रोककर कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर ट्रांसपोर्टरों में नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने मौके पर विरोध शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद बढ़ने पर कई ट्रांसपोर्टर अपनी गाड़ियों को अधिकारियों के सामने से निकालकर ले गए। इस दौरान चेकिंग टीम और वाहन चालकों के बीच तीखी बहस भी हुई। हंगामे के कारण कुछ समय के लिए क्षेत्र में अव्यवस्था का माहौल बना रहा। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि चेकिंग व्यवस्था की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली ट्रांसपोर्टरों को राहत दी जा रही है, जबकि सामान्य वाहन संचालकों पर सख्ती दिखाई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार स्थिति बिगड़ती देख परिवहन विभाग का एक अधिकारी अपनी सरकारी गाड़ी लेकर वहां से रवाना हो गया। इसके बाद मौजूद अन्य अधिकारियों ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। हालांकि प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद ओवरलोडिंग के खिलाफ चल रही कार्रवाई की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन पूरे मामले की जांच कर आरोपों की सत्यता सामने लाता है या नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि चेकिंग अभियान निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चलाया जाए तो ओवरलोडिंग पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

मोक्षधाम मार्ग पर लगा वाटर कूलर बना शोपीस, भीषण गर्मी में प्यासे लौट रहे लोग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भीषण गर्मी और तपिश के बीच नगर पालिका परिषद उरई की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। कोंच रोड स्थित मोक्षधाम जाने वाले मार्ग पर शव यात्रियों की सुविधा के लिए लगाया गया वाटर कूलर (फ्रीजर) लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को शीतल पेयजल नहीं मिल पा रहा है।

जानकारी के अनुसार मोक्षधाम जाने वाले रास्ते पर शव यात्रा के विश्राम के लिए एक चबूतरा बना हुआ है, जहां अंतिम संस्कार से पूर्व कुछ समय के लिए शव रखा जाता है। इसी स्थान पर नगर पालिका परिषद द्वारा लोगों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाटर कूलर की व्यवस्था कराई गई थी। लेकिन वर्तमान में यह वाटर कूलर स्वयं ही पानी के लिए तरस रहा है और केवल शोपीस बनकर रह गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अभी तक खराब पड़े वाटर कूलर को ठीक कराने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। नगरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि मोक्षधाम मार्ग पर लगे खराब वाटर कूलर को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए, ताकि अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को भीषण गर्मी में राहत मिल सके और उन्हें स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध हो सके।

जिला अस्पताल के सरकारी आवासों पर संविदा व एनएचआर कर्मियों का कब्जा, खाली कराने की समस्या है बिकट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला अस्पताल उरई परिसर स्थित सरकारी आवासों पर संविदा कर्मचारियों एवं एनएचआर कर्मियों के कब्जे को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। सूत्रों की मानें तो अस्पताल के एक जिम्मेदार विभागीय अधिकारी की शह पर कई ऐसे कर्मचारियों ने सरकारी आवासों में कब्जा जमा रखा है, जिन्हें नियमानुसार आवास आवंटित किए जाने का अधिकार ही नहीं है।

बताया जा रहा है कि अस्पताल परिसर में स्थित कई सरकारी आवासों में ऐसे लोग रह रहे हैं जिनके नाम पर कोई वैध आवंटन आदेश उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद वे लंबे समय से सरकारी संपत्ति का उपयोग कर रहे हैं। मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं।जानकारों का कहना है कि सरकारी आवासों का आवंटन निर्धारित नियमों एवं पात्रता के आधार पर किया जाता है, लेकिन यदि संविदा अथवा एनएचआर कर्मियों को बिना वैध प्रक्रिया के आवास उपलब्ध कराए गए हैं तो यह गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है। स्थानीय लोगों एवं कर्मचारियों का आरोप है कि कई पात्र कर्मचारी आवास की सुविधा से वंचित हैं, जबकि अपात्र लोगों ने सरकारी आवासों पर कब्जा जमा रखा है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग उठने लगी है। अब देखना यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन इस मामले को कितना गंभीरता से लेते हैं और सरकारी आवासों के आवंटन एवं कब्जे की स्थिति की जांच कर दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का बड़ा मामला साबित हो सकता है।

जनकल्याणकारी योजनाओं की भव्य प्रदर्शनी का प्रभारी मंत्री ने किया शुभारंभ, लाभार्थियों को वितरित किए स्वीकृति पत्र, चेक एवं अनुदान

'केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के स्वर्णिम अध्याय-संजय सिंह गंगवार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत सदर तहसील परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई भव्य विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग राज्यमंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री श्री संजय सिंह गंगवार ने फीता काटकर किया।

प्रदर्शनी में 41 विभागों द्वारा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। युवा, महिला एवं गरीब कल्याण को समर्पित योजनाओं, उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी वृहद इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास, कानून व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा के सुदृढ़ मॉडल को 'पहले और अब' की थीम पर प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में सूचना विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को चित्रों एवं जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत चार लाभार्थियों को 03 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप संयंत्र हेतु ?1,08,000- 1,08,000 का अनुदान तथा एक लाभार्थी को 02 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप संयंत्र हेतु 90,000 का अनुदान स्वीकृति प्रदान की। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत 09 आईसीडीएस सुपरवाइजरों को कार्य दक्षता बढ़ाने हेतु सैमसंग मोबाइल फोन वितरित किए गए। डूडा विभाग द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 07 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत 06 लाभार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु 5-5 लाख के चेक प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 03 पात्र लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न गतिविधियों के संचालन एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कुल 6 करोड़ 24 लाख 90 हजार की वित्तीय सहायता के चेक प्रदान किए गए। प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है और आज करोड़ों गरीब, किसान, महिलाएं, युवा एवं वंचित वर्ग इन योजनाओं से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, स्वनिधि, सूर्यघर एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी जैसी योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उत्तर प्रदेश आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है तथा निवेश, रोजगार, आधारभूत संरचना और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें।इस अवसर पर सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सहित जनप्रतिनिधिगण, जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

'पेपर तो किसी भी चीज का लीक हो सकता है' : प्रभारी मंत्री संजय गंगवार के बयान पर युवाओं में नाराजगी

(यंग भारत न्यूज)

- **जालौन दौरे पर आए प्रभारी मंत्री संजय गंगवार ने पेपर लीक के सवाल पर दिया विवादित बयान।**
- **मंत्री बोले- 'पेपर तो किसी भी चीज का लीक हो सकता है', सरकार परीक्षार्थियों को किराए में 50 प्रतिशत छूट भी दे रही है।**
- **युवाओं ने उठाए सवाल- तैयारी, समय और धन की बर्बादी का जिम्मेदार कौन, दोषियों पर कठोर कार्रवाई क्यों नहीं?**

जालौन। जनपद जालौन के दौरे पर आए उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री संजय गंगवार का एक बयान चर्चा का विषय बन गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि 'पेपर तो किसी भी चीज का लीक हो सकता है।' साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने के लिए किराए में 50 प्रतिशत की छूट भी दे रही है।

मंत्री के इस बयान के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं में नाराजगी देखने को मिली। कई अभ्यर्थियों का कहना है कि पेपर लीक होने से उनकी महीनों की मेहनत, समय और आर्थिक संसाधन बर्बाद हो जाते हैं। दूर-दराज के परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए उन्हें यात्रा, भोजन और आवास जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। युवाओं का कहना है कि सरकार की ओर से किराए में छूट देना स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इससे पेपर लीक की समस्या का समाधान नहीं होता। उनका सवाल है कि जब बार-बार परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। अभ्यर्थियों ने मांग की कि सरकार परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित बनाए और दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करे जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रभारी मंत्री का यह बयान अब जिले में राजनीतिक और सामाजिक चर्चाओं का विषय बन गया है। विपक्षी दल भी इसे युवाओं की भावनाओं के प्रति असंवेदनशील बताते हुए सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। वहीं अभ्यर्थी उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार केवल सुविधाएं देने तक सीमित न रहे, बल्कि पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी और सख्त कदम उठाए।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर '12 साल बेमिसाल' कार्यक्रम का शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित '12 साल बेमिसाल' कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री संजय गंगवार ने किया। दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे प्रभारी मंत्री ने जिला मुख्यालय उरई स्थित नवनिर्मित तहसील परिसर में कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। प्रभारी मंत्री संजय गंगवार ने इन स्टॉलों का लोकार्पण एवं अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आमजन तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, भाजपा महिला उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने प्रभारी मंत्री संजय गंगवार का पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान शिवसेना के मंडल प्रभारी मिथलेश राहिया, अपना दल एस के अनिल कुदारी, लोकदल के विपिन शिवहरे सहित अन्य एनडीए गठबंधन के नेता मौजूद रहे।इस दौरान कार्यदाई संस्था यूपीसीएल के जेई व एई के अलावा विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, विकास और जनविश्वास के स्वर्णिम अध्याय : प्रभारी मंत्री

प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना विकास और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर विस्तार से रखे विचार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद जालौन के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की विकास, विश्वास, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से प्रारंभ हुई यह यात्रा केवल सरकार के कार्यकाल की कहानी नहीं, बल्कि एक नए भारत के निर्माण का सशक्त अध्याय है, जिसने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने का कार्य किया है।प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया, वर्ष 2019 में और अधिक बहुमत देकर उस विश्वास को मजबूत किया तथा वर्ष 2024 में लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री चुनकर यह सिद्ध कर दिया कि देश अब केवल वादों पर नहीं, बल्कि परिणामों और कार्यों पर विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि जनता के इसी अटूट विश्वास के कारण आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) देश के 22 राज्यों में जनसेवा का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने तीसरी बार शपथ लेने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की फाइल पर हस्ताक्षर कर यह संदेश दिया कि गरीब, किसान, युवा और महिलाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र आज जन-जन का मंत्र बन चुका है और सरकार की प्रत्येक योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि बीते वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है तथा लाखों फर्जी लाभार्थियों को हटाकर लगभग 4.31 लाख करोड़ की राशि गलत हाथों में जाने से बचाई गई है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं और सर्जिकल स्ट्राइक तथा एयर स्ट्राइक जैसी निर्णायक कार्रवाइयों ने दुनिया को नए भारत की ताकत का परिचय कराया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के चलते देश का रेड कॉरिडोर अब ग्रीन ग्रोथ जोन में परिवर्तित हो रहा है।जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए मा0 प्रभारी मंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जिनमें 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते हैं। कोरोना काल से लेकर अब तक 81 करोड़ से अधिक लोगों को नि:शुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 60 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के माध्यम से 58 करोड़ से अधिक लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई गई है। जल जीवन मिशन के माध्यम से 16 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया है तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 74 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से 57 करोड़ से अधिक बिना गारंटी ऋण वितरित किए गए हैं तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से 30 लाख से अधिक कारीगर लाभान्वित हुए हैं। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए 15 हजार करोड़ का बजट तथा धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए 79 हजार करोड़ की व्यवस्था की गई है।किसानों के कल्याण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक किसानों को 4.3 लाख करोड़ की राशि सीधे उनके खातों में भेजी गई है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से 7 करोड़ से अधिक किसानों को लगभग 10 लाख करोड़ का सस्ता ऋण उपलब्ध कराया गया है। किसानों के लिए ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग को राहत देते हुए आयकर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12.75 लाख तक किया गया है। महिला सशक्तिकरण को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई हैं तथा सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 4.5 करोड़ से अधिक खाते खोले गए हैं। सुरक्षा बलों में महिला अधिकारियों की संख्या 3 हजार से बढ़कर 11 हजार हो चुकी है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक करोड़ घरों पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई है।विकास कार्यों की चर्चा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास को एक सतत मिशन के रूप में आगे बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 8 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है, जिनमें लगभग 4 लाख किलोमीटर सड़कें पिछले 12 वर्षों में बनी हैं। इससे गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, किसानों को बाजार तक पहुंच आसान हुई है तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' अभियान के अंतर्गत 109 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क 91 हजार किलोमीटर से बढ़कर लगभग 1.46 लाख किलोमीटर हो चुका है तथा देश में प्रतिदिन लगभग 34 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है। चेनाब ब्रिज, नया पंबन ब्रिज और अटल टनल जैसी परियोजनाएं आधुनिक भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का 99.6 प्रतिशत से अधिक ब्रॉडगेज नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में देशभर में 164 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो आधुनिक और सुरक्षित भारत की पहचान बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश के केवल 5 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क था, जो आज 26 से अधिक शहरों में 1095 किलोमीटर से अधिक हो चुका है। पिछले 12 वर्षों में 90 से अधिक नए हवाई अड्डों का निर्माण हुआ है और देश में हवाई अड्डों की संख्या 164 से अधिक हो गई है। उड़ान योजना ने आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाया है। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने बताया कि सौभाग्य योजना के माध्यम से प्रत्येक घर तक बिजली पहुंचाई गई है तथा भारतनेट परियोजना के तहत 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड इंटरनेट से जोड़ा गया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में 23 नए एम्स और मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति दी गई है तथा मिशन इंद्रधनुष के तहत 5.4 करोड़ से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ सरकार ने देश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव को भी नई पहचान दी है। राजपथ का नाम कर्तव्य पथ किया गया, इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई, बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया तथा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, नया संसद भवन, लोक कल्याण मार्ग, अमृत उद्यान, सेंगोल की स्थापना, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण नए भारत की सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। जनता कर्फ्यू, हर घर तिरंगा, एक पेड़ मां के नाम, फिट इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों ने देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि वैक्सीन मैत्री अभियान के माध्यम से भारत ने 99 देशों की सहायता कर विश्व में एक भरोसेमंद मित्र की भूमिका निभाई है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, 39 नए दूतावासों की स्थापना, ?70 लाख करोड़ से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा अनेक देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते भारत की बढ़ती वैश्विक साख के प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि आज 177 देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक शक्ति का परिचायक है।

प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि 10 जून भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ते हुए भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को प्राप्त 32 अंतरराष्ट्रीय सम्मान तथा वैश्विक स्तर पर उनकी लोकप्रियता भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है। प्रेसवार्ता के अंत में प्रभारी मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के विगत 12 वर्ष केवल उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण की निरंतर यात्रा हैं, जिसे देश की जनता का विश्वास और सहभागिता निरंतर शक्ति प्रदान कर रही है। इस अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह बीजीपी जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित आदि मौजूद रहे।

आंधी के बाद बहाल हुई बिजली आपूर्ति, चारों सब स्टेशनों से सप्लाई सुचारू

तेज आंधी से बाधित हुई थी विद्युत आपूर्ति, विभाग ने तत्काल कराया सुधार

-परौसा, बबीना, इटोरा और चनारसी क्षेत्रों में सामान्य हुई बिजली व्यवस्था

-क्षतिग्रस्त कृषि नलकूपों के पोल जल्द बदले जाएंगे, किसानों को मिलेगी राहत

(यंग भारत न्यूज)

कदौरा। तेज आंधी और खराब मौसम के कारण क्षेत्र में प्रभावित हुई विद्युत आपूर्ति को विद्युत विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुन: सुचारू कर दिया है। विद्युत वितरण खंड कदौरा के एसडीओ जितेंद्र प्रसाद ने बताया कि क्षेत्र के चारों विद्युत उपकेंद्रों (सब स्टेशनों) से वर्तमान में बिजली आपूर्ति सामान्य रूप से संचालित की जा रही है और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि बीते दिनों आई तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर विद्युत लाइनें प्रभावित हो गई थीं, जिससे कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक मरम्मत कार्य कराते हुए विद्युत व्यवस्था को शीघ्र बहाल कर दिया गया। विभाग की सक्रियता के चलते अधिकांश क्षेत्रों में कम समय में ही आपूर्ति सामान्य हो गई। एसडीओ जितेंद्र प्रसाद ने बताया कि परौसा एवं बबीना क्षेत्र में अवर अभियंता मिठाई लाल तथा इटोरा एवं चनारसी सब स्टेशन क्षेत्रों में अवर अभियंता अंकित साहनी अपनी टीम के साथ लगातार निगरानी कर रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए विभागीय कर्मचारी नियमित रूप से फील्ड में कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवा प्रदान करना है। इसके लिए विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा अन्य उपकरणों की नियमित जांच की जा रही है। जहां कहीं भी तकनीकी खराबी की सूचना मिल रही है, वहां तत्काल टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया जा रहा है। एसडीओ ने बताया कि आंधी के कारण कुछ कृषि नलकूपों से संबंधित विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे सभी स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है और शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू कर पोलों को बदला जाएगा। इससे किसानों को सिंचाई कार्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विद्युत विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि कहीं विद्युत लाइन टूटने, पोल क्षतिग्रस्त होने या बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल विभाग को दें। विभाग ने आश्वासन दिया है कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

कैंसर की आशंका और मानसिक तनाव के चलते महिला ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के डकोर थाना क्षेत्र के मोहम्मदाबाद गांव में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 39 वर्षीय महिला ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदाबाद निवासी अर्चना तिवारी (39) पत्नी हरिकृष्ण पिछले लगभग छह माह से पेट दर्द की समस्या से पीड़ित थीं। उनका उपचार उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। परिजनों का कहना है कि अर्चना को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने की आशंका थी, जिसके कारण वह लंबे समय से मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रही थीं। हालांकि अब तक किसी चिकित्सीय जांच में कैंसर की पुष्टि नहीं हुई है। बताया गया कि शनिवार सुबह अर्चना दैनिक कार्यों से निवृत्त होने के बाद चाय पीकर अपने कमरे में चली गईं। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे से लटकी हुई मिलीं। आनन-फानन में उन्हें नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना के समय घर में उनकी मां राममूर्ति मौजूद थीं, जबकि बड़ी बहन मंदिर गई हुई थीं और अन्य भाई खेतों पर कार्य कर रहे थे। अर्चना अपने परिवार में दो बहनों और तीन भाइयों में सबसे छोटी थीं। सूचना मिलने पर डकोर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला मानसिक तनाव से जुड़ा प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर है तथा गांव में मातम का माहौल व्याप्त है।

सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' की भावना के साथ प्रभारी मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

रगौली में रात्रि जन चौपाल का आयोजन, डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन, गरीब परिवार के घर पहुंचकर किया सहभोज

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम रगौली में प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश श्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 प्रभारी मंत्री द्वारा ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी का फीता काटकर उद्घाटन कर किया गया। इसके पश्चात आयोजित रात्रि जन चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर अपनी समस्याएं, सुझाव एवं स्थानीय आवश्यकताओं को मंत्री के समक्ष रखा। मा0 प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराया जाए। मा0 प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली का मूल आधार है। इसी भावना के अनुरूप जनसमस्याओं का समाधान, गरीबों का उत्थान, महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों की समृद्धि और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जन चौपालों के माध्यम से सरकार सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रही है और मौके पर समाधान सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मा0 मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।कार्यक्रम के उपरांत मा0 प्रभारी मंत्री ने गांव का भ्रमण कर विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा एक गरीब परिवार के घर पहुंचकर उनके साथ भोजन ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने परिवारजनों का कुशलक्षेम जाना और आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' की भावना को व्यवहारिक रूप से प्रदर्शित किया। यह दृश्य ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन, एमएलसी प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व ग्रामवासी मौजूद रहे।

मोहर्रम पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा-उरई। आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई इसमें मोहर्रम के रास्ते, जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की गई ।

बैठक को सम्बोधित करते हुए थाना प्रभारी विमलेश कुमार ने कहा कि मुहर्रम के ताजिया का जुलूस अपने परम्परागत रास्तों से होकर ही निकाला जायेगा किसी भी नए रास्ते से ताजिया नहीं निकाले जा सकेंगे जुलूस में शांति व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर पुलिस विशेष निगरानी रखेगी साथ ही ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष सियाशरण व्यास पूर्व अध्यक्ष मूलचंद बुधौलिया निवर्तमान अध्यक्ष आसाराम अग्रवाल ने मुस्लिम भाइयों को आश्वासन दिया कि मोहर्रम के दौरान जुलूस वाले रास्तों पर विशेष सफाई व्यवस्था रहेगी। बैठक में नगर पंचायत ईओ उमाकांत पटेल,, रामकुमार अग्रवाल सभासद छत्रसाल नायक सभासद , राजू पंचाल सभासद समीर पठान सभासद राजेश रखोलिया, साबिर हंसन ड्राइवर , सीताराम प्रधान सैद नगर आज प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर किया स्वच्छता श्रमदान, वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नया पटेल नगर वार्ड में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा, सफाई कर्मियों का बढ़ाया उत्साह, नागरिकों से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का किया आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केंद्र एवं प्रदेश सरकार के 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' के मूल भाव को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वच्छता एवं जनकल्याणकारी अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश श्री संजय सिंह गंगवार ने आज प्रात: नगर के नया पटेल नगर वार्ड संख्या-09 का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया तथा सफाई कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने वार्ड की गलियों, सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने सफाई कर्मियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा और संस्कार से जुड़ा जनआंदोलन है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। प्रभारी मंत्री ने सफाई कर्मियों को सम्मानित भाव से संबोधित करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके कल्याण, सम्मान एवं सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उनके योगदान को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता का संदेश देते हुए मा0 प्रभारी मंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता श्रमदान किया तथा उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा की भावना से किया गया प्रत्येक कार्य समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा भावी पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए अधिकाधिक पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान सहित विभिन्न वृक्षारोपण अभियानों से जुड़ने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन के माध्यम से जनसुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और सेवा के ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि, प्रशासन और आमजन मिलकर कार्य करते हैं तो विकास और जनकल्याण के लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, नगर निकाय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, विधायक कालपी के प्रतिनिधि आशु चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी उर्विजा दीक्षित, जलशक्ति मंत्री प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के0के0 सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उरई सहित जनप्रतिनिधिगण सहित सम्बन्धित अधिकारीगण और नगर पालिका उरई की टीम मौजूद रही।

शराफत का बयान बना सपा के लिए आफत! अखिलेश यादव ने लिया बड़ा एक्शन, जानिए पूरा मामला

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से समाजवादी पार्टी (सपा) के भीतर का एक बड़ा विवाद सामने आया है. यहां सपा के जिलाध्यक्ष शराफत अली का एक कथित स्टिंग वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शराफत अली अपनी ही पार्टी की दो बेहद कद्दावर और वरिष्ठ महिला नेताओं के परिवार के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित बातें कहते हुए सुनाई दे रहे हैं. वीडियो के सामने आते ही जिले की राजनीति में भूचाल आ गया और बात सीधे लखनऊ में बैठे शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गई. शराफत अली की इस अभद्र टिप्पणी का शिकार बनीं पूर्व सांसद ऊषा वर्मा और उनकी जेठानी व पूर्व विधायक राजेश्वरी देवी. इस परिवार का हरदोई की राजनीति में बहुत बड़ा नाम और दबदबा रहा है. राजेश्वरी देवी जहां दो बार विधायक रही हैं, वहीं ऊषा वर्मा तीन बार हरदोई की सांसद रह चुकी हैं.

इन दोनों के ससुर स्वर्गीय बाबू परमाई लाल इलाके के एक बहुत बड़े कद्दावर नेता थे और वे सपा संरक्षक मुलायम सिंह

यादव के बेहद करीबियों में गिने जाते थे. ऐसे सम्मानित और पुराने सियासी परिवार की महिलाओं पर की गई इस शर्मनाक टिप्पणी से पार्टी के कार्यकर्ता और आम लोग बेहद गुस्से में हैं. मामला जैसे ही गरमाया, पूर्व सांसद ऊषा वर्मा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं के प्रति जिले के सबसे बड़े पदाधिकारी के विचार ऐसे हैं, तो यह पूरी पार्टी के लिए बेहद शर्मनाक है. उन्होंने और राजेश्वरी देवी ने तुरंत इस पूरे मामले की लिखित शिकायत सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से की और दोषी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की.

अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने शनिवार (13 जून 2026) को एक बहुत बड़ा और कड़ा कदम उठाया. पार्टी की छवि को बचाने और महिला नेताओं के सम्मान में प्रदेश नेतृत्व ने हरदोई की पूरी जिला कार्यकारिणी समेत पार्टी के सभी प्रकोष्ठों की कमेटियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है. इस पूरे विवाद पर समाजवादी पार्टी के अन्य स्थानीय और प्रदेश स्तर के नेताओं ने भी गहरा दुख और नाराजगी जताई है. राजेश्वरी देवी का कहना है कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के सम्मान की बात करती है, ऐसे में जिलाध्यक्ष का यह बर्ताव किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने लायक नहीं है. पार्टी नेता नेहा दीक्षित ने कहा कि बीते दो महीनों से पार्टी में महिलाओं के साथ अपमानजनक व्यवहार हो रहा था. इस तरह की बयानबाजी से जमीनी स्तर पर मेहनत कर रहे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है और जनता के बीच गलत संदेश जाता है. दूसरी तरफ, बीजेपी समेत बाकी विरोधी दलों ने भी इस मुद्दे पर सपा को आड़े हाथों लिया. उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने इस मामले पर सीधा बयान देते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव को घेरा. उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को राजनीति से ऊपर उठकर इस मामले में जिलाध्यक्ष शराफत अली पर ऐसी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए जो आगे के लिए एक नजीर बने. वहीं, दूसरी ओर विवादों में घिरे शराफत अली ने खुद को बेकसूर बताया है. उनका दावा है कि इस वीडियो को जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और यह उनके खिलाफ पार्टी के भीतर ही रची गई एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है.

सैलरी 20 हजार, खरीदी करोड़ों की जमीन. राम मंदिर के कथित चंदा घोटाले में नए खुलासे, अयोध्या पुलिस चुप!

(यंग भारत न्यूज)

राम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे की राशि चोरी करने के मामले में ट्रस्ट के दो और कर्मचारियों को हिरासत में लेने की खबर है. हालांकि, अयोध्या पुलिस इससे इनकार कर रही है लेकिन सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट के दो लोगों को हिरासत में उनसे पूछताछ की.

इस दौरान कई अहम खुलासे हुए हैं. हिरासत में लिए गए एक शख्स ने हाल में ही डेढ़ करोड़ रुपये की जमीन खरीदी थी, जबकि दूसरे ने 40 लाख रुपये की जमीन खरीदकर निर्माण करा रहा है. सूत्रों के अनुसार, एक ट्रस्ट कर्मी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया. उसके घर से कुछ नकदी भी बरामद हुई है. उसने अयोध्या में लगभग 40 लाख रुपये का भूखंड खरीदा था और वहां मकान बनवाने का काम शुरू कर दिया था. इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह में काम करने वाले एक कर्मी को भी हिरासत मे लिया गया. उसकी तनख्वाह केवल 20 हजार रुपये है, लेकिन हाल में ही उनसे डेढ़ करोड़ रुपये की जमीन खरीदी थी. जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी संपत्ति उसने किस स्रोत से हासिल की. फिलहाल, इस पूरे मामले में अयोध्या पुलिस ने चुप्पी साधे रखी है. पुलिस का कहना है कि ट्रस्ट की ओर से हमें कोई शिकायत नहीं मिली है. जबकि सूत्र बता रहे हैं ट्रस्ट कर्मियों से लगातार पूछताछ की जा रही है और कई कर्मियों को हिरासत लिया गया है. इसमें से एक कर्मी के बैंक के खाते से 5 लाख रुपये भी ट्रस्ट के खाते में वापस जमा करा गए थे. जांच में सामने आ रहा है कि अब तक पकड़े गए अधिकांश कर्मचारी एक ही शिफ्ट में दानराशि की गणना करते थे. इस पूरे गिरोह का मुख्य सूत्रधार भी सामने आ चुका है. हाल में ही उसने भी अपने घर पर भागवत कथा कराई थी. इस दौरान उसकी अमीरी की चर्चा खूब हो रही थी. सूत्रों का ये भी कहना है कि मंदिर परिसर में गणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरा लगाने का विरोध ट्रस्ट के ही एक पदाधिकारी ने किया था. इस खुलासे से पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र आज शनिवार को अयोध्या पहुंच रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक, रविवार सुबह होने वाली समीक्षा बैठक में चढ़ावे में चोरी के प्रकरण पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है. बैठक में मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, दानराशि संग्रहण और गणना प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं.

भैंस की हड्डियों को घंटों उबालकर बनाई जाती है ये चीज, नाम जानकर पैरों तले खिसक जाएगी जमीन

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश का एक छोटा सा जिला इन दिनों अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत में अपनी अनूठी हस्तशिल्प कला के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है. उत्तर प्रदेश के संभल जिले में भैंस की बेकार समझी जाने वाली हड्डियों और सींगों को वैज्ञानिक व पारंपरिक विधि से संसाधित कर बेहद कीमती और खूबसूरत सजावटी वस्तुएं तैयार की जा रही हैं.

वैश्विक बाजारों में इस कलाकृति की मांग इतनी अधिक है कि इसे प्रदेश सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना में शामिल कर एक विशेष पहचान दी गई है. संभल के सैकड़ों परिवारों के लिए यह पुश्तैनी व्यवसाय अब करोड़ों रुपये के विदेशी मुद्रा अर्जन का मुख्य जरिया बन चुका है. इस अद्भुत

'बोन क्राफ्ट' को तैयार करने की निर्माण प्रक्रिया जितनी जटिल है, उतनी ही दिलचस्प भी है. कारखानों के संचालकों के अनुसार, सबसे पहले विक्रेताओं से भैंस की हड्डियां और सींग कच्चे माल के रूप में खरीदे जाते हैं. इसके बाद, बड़े-बड़े बर्तनों में पानी भरकर उसमें कास्टिक सोडा मिलाया जाता है और हड्डियों को लगातार 8 घंटे तक उबाला जाता है. इस उबलने की प्रक्रिया से हड्डियों में जमा सारी प्राकृतिक गंदगी, वसा और चिकनाई पूरी तरह साफ हो जाती है. अच्छी तरह सूखने के बाद, कारीगर इन हड्डियों को आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते हैं. कटाई के बाद असली हुनर का काम शुरू होता है. इन कटे हुए टुकड़ों को विशेष मशीनों पर रगड़-रगड़कर इतना चिकना और चमकदार बनाया जाता है कि वे हूबहू सफेद संगमरमर की तरह दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद संभल के कुशल कारीगर अपनी सूक्ष्म नक्काशी से इनसे कलात्मक फोटो फ्रेम, फैंसी कंघियां, पेन होल्डर, आभूषण बॉक्स, बटन और आलीशान सजावटी पॉट तैयार करते हैं. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन हस्तनिर्मित उत्पादों की कीमत साधारण प्लास्टिक या लकड़ी के सामान से कई गुना अधिक होती है. संभल के स्थानीय निर्माताओं को सीधे विदेशी ग्राहकों से ऑर्डर नहीं मिलते, बल्कि दिल्ली और मुंबई के बड़े एक्सपोर्टर्स के माध्यम से जर्मनी, इंग्लैंड, अमेरिका और कई यूरोपीय देशों से कस्टमाइज्ड ऑर्डर प्राप्त होते हैं. ताज्जुब की बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में कचरे का एक तिनका भी बर्बाद नहीं होता. हड्डियों की घिसाई और कटाई के दौरान जो बारीक बुरादा और पाउडर निकलता है, उसे जैविक खेती करने वाले किसान और नर्सरी संचालक ऊंचे दामों पर खरीद कर ले जाते हैं. फास्फोरस और कैल्शियम से भरपूर होने के कारण यह बोन-पाउडर पेड़-पौधों और फसलों के लिए एक बेहतरीन और असरदार जैविक खाद का काम करता है.

आरोपी यश खटीक के पास मिले दो आधार कार्ड, पैरा एथलीट बनने के लिए फर्जीवाड़े का खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के गाजियाबाद जिले के पैरा एथलीट चिराग त्यागी के हत्याकांड मामले में आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं. पुलिस की जांच में हत्याकांड के मुख्य आरोपी यश खटीक के फर्जीवाड़े की परतें खुल भी रही हैं. पुलिस को आरोपी यश के पास से दो आधार कार्ड मिले हैं. बताया जा रहा है कि पैरा एथलीट बनने के लिए यश ने अपनी जन्मतिथि बदली थी. जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है मामला परत-दर-परत खुलता जा रहा है.

पुलिस जांच में यश के दो आधार कार्ड मिले हैं. दोनों में उसकी जन्मतिथि अलग-अलग है. आशंका है कि पैरा एथलीट बनने के लिए उसने यह फर्जीवाड़ा किया. यह भी पता चला है कि जनवरी 2026 में ओलंपिक संघ की ओर से कराई गई जांच में उसमें किसी प्रकार की दिव्यांगता की पुष्टि नहीं हुई थी. पुलिस जांच में सामने आया है कि यश खटीक शारीरिक रूप से स्वस्थ है. इसी के चलते उसका चयन पैरा एथलीट प्रतियोगिताओं के लिए नहीं हो सका था. आरोप है कि वह आंखों की दिव्यांगता बताकर ही पैरा एथलीट बनने की कोशिश कर रहा था. यश के पास से मिले दो आधार कार्ड में सेएक में उसकी जन्मतिथि पांच नवंबर 2008 और दूसरे में छह जुलाई 2005 दर्ज है. पुलिस ने दोनों दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. यह भी सामने आया है कि चिराग त्यागी की चेक बुक, यूपीआई कोड और पासवर्ड की जानकारी यश को थी. चिराग की हत्या के बाद भी आरोपी ने उसके खाते से तीन लाख रुपये निकाले थे. आरोपी ने पूछताछ में रकम अपने चाचा और एक दोस्त को देने की बात कही है. घटना के 14 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस इन दोनों आरोपियों को पकड़ नहीं पाई है. बता दें कि 14 जून को बसंतपुर सैंथली स्थित जेवीएस फार्म में महापंचायत होगी. इसमें चिराग के माता-पिता को न्याय दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, आजीविका के लिए दुकान आवंटित करने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और चिराग की स्मृति में स्टेडियम निर्माण जैसी मांगें उठाई जाएंगी. परिजनों का आरोप है कि घटना को दो सप्ताह बीतने के बाद भी न तो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है और न ही प्रशासन ने उनकी सुध ली है. मांगें पूरी नहीं होने पर महापंचायत में आमरण अनशन की घोषणा भी की जा सकती है. सूत्रों के मुताबिक, महापंचायत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न सामाजिक संगठनों, खिलाड़ी संगठनों और समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं समेत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं. ऐसे में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोकल इनपुट के माध्यम से जानकारी जुटा रहे हैं.

मरा समझकर कुएं में फेंक दिया गया था, 4 दिन बाद जिंदा बाहर निकला शख्स, ऐसे दिया मौत को धोखा!

(यंग भारत न्यूज)

ओडिशा के बरगढ़ जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां 5 लोगों ने एक युवक को बेरहमी से पीटने के बाद उसे मृत समझकर सुनसान इलाके में स्थित एक कुएं में फेंक दिया गया था.

युवक गहरे कुएं में अंदर चार दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा, लेकिन उसने हार नहीं मानी और चार दिनों की जद्दोजहद के बाद पांचवे दिन अंतत: जिंदगी की जंग जीतकर वापस लौट आया है. एक सूनसान कुएं से जीवित अवस्था में बाहर निकाले गए युवक की पहचान पद्मपुर उपखंड के पुरेना गांव निवासी तुलसीराम बरिहा के रूप में हुई है. जानलेवा हमले करने के बाद युवक को आरोपियों में मरा हुआ समझकर कूएं के धकेल दिया था, लेकिन इसे कुदरत का चमत्कार ही कहेंगे कि युवक को चार दिनों के बाद कुएं ले जिंदा बाहर निकाल लिया गया. मामला बिजेपुर ब्लॉक के समलाईपदार नर्सरी क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक रविवार तड़के करीब 3 बजे पांच लोगों ने युवक की कथित तौर पर पिटाई की और उसे मृत समझकर कुएं में फेंककर फरार हो गए थे. गहरे कुएं में फंसा युवक जीवित था और वारदात के चार दिनों तक भूखे-प्यासे कुएं के भीतर से मदद की गुहार लगाता रहा, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं पहुंचा. रिपोर्ट के मुताबिक बीते गुरुवार को एक ग्रामीण लकड़ी इकट्ठा करने के लिए कुएं के पास पहुंचा तो उसे कुएं से किसी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी. इसके बाद ग्रामीण ने पुलिस और अग्निशमन विभाग को मामले की सूचना दी. मौके पर पहुंची टीम ने रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाला और इलाज के लिए बिजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा. जीवटता और जिजीविषा इंसान को विपरीत परिस्थितियों में जिंदा रहने की ताकत देती हैं. कुछ ऐसा ही कर दिखाया ओड़ीसा के बरगढ़ जिले के तुलसीराम बरिहा ने, जिन्हें अपराधियों ने मरा हुआ समझकर सूनसान इलाके के एक कुएं में फेंक दिया था,

लेकिन वारदात के पांचवें दिन कुएं में अकेले और भूखे रहकर जिंदा बचने में वह सफल हो गया.

प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक के लापता होने की शिकायत तीन दिन पहले पद्मपुर थाने में दर्ज कराई गई थी. पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. फिलहाल, पुलिस हत्या के प्रयास समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम और आरोपियों की भूमिका से पर्दा उठ सकेगा.

-3 महीने पहले शादी, पति ने हथौड़ा मार-मारकर कर दी पत्नी की हत्या, आरोपी पहले से था शादीशुदा

इंजीनियरिंग छोड़ो बाबू, अब तो मंत्र याद करो!. अमेरिका में पंडित जी की 'कमाई' सुन हक्के-बक्के रह गए लोग, इंफ्लूएंसर ने खोले बड़े राज़!

(यंग भारत न्यूज)

कहते हैं न... देश बदले तो भेष बदल जाता है लेकिन अपनी परंपराएं और रीति-रिवाज ? वो कभी नहीं बदलते. फिर चाहे भारतीय सात समंदर पार पहुंच जाए लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को साथ ले जाते हैं.जब भी अमेरिका में बैठा भारतीय नई गाड़ी, नया घर या नया बिजनेस चालू करता है तो घर में सुख-शांति और तरक्की के लिए पूजा कराना नहीं भूलते. ऐसी स्थिति में याद आते हैं सिर्फ अपने 'पंडित जी'. भारत में ज्यादातर जगहों पर पंडित जी को श्रद्धा मुताबिक दक्षिणा देने का रिवाज है, लेकिन आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि अमेरिका में रहने वाले लोग कई सौ डॉलर खर्च करके पुण्य कमाते हैं. जी हां अमेरिका बेस्ट इंडियन कंटेंट क्रिएटर ने हाल ही में एक वीडियो के जरिए खुलासा किया है जिसने सोशल मीडिया पर तगड़ी बहस छेड़ दी है. वीडियो में महिला ने बताया कि जहां टेक प्रोफेशनल को यूएस का वीजा पाने के लिए हैवी कंपटीशन फेस करना पड़ता है तो वहीं पंडित जी को आर-1 वीजा पर आसानी से एंट्री मिल जाती है.

वायरल वीडियो कंटेंट क्रिएटर सारिका यादव ने शेयर किया है जिसमें उन्होंने अमेरिका में हिंदू पुजारियों की कमाई और भारत से स्पेशल पंडित यूएस बुलाने के लिए स्पेशल वीजा का जिक्र किया है. सारिका कहती हैं कि आपको जानकर हैरान रह जाएंगे कि अमेरिका में एक पंडित जी एक छोटी सी पूजा के लिए कितनी फीस लेते हैं. सारिता बताती हैं कि परिवार के एक घर में एक नॉर्मल सत्यनारायण पूजा का खर्च 300-350 डॉलर तक आता है जो भारतीय करेंसी का 28,000 से 33,000 रुपये तक होता है. सारिका बताती हैं कि पूजा में सिर्फ घर के सदस्य होते हैं. फिर भी पंडित जी द्वारा ली जाने वाली फीस भारत की तुलना में काफी ज्यादा होती है. कंटेंट क्रिएटर सारिका बताती हैं कि यह तो सिर्फ सत्यनारायण पूजा के चार्ज हैं जिसमें सारी तैयारी आप करते हैं लेकिन अलग से आप मंदिर में सेवा, पूजा, अनुष्ठान या कुछ और धार्मिक कार्य कराना चाहते हैं तो उसके लिए आपको अलग से 100-150 डॉलर चार्ज लगता है. यह तो बात रही फीस की. यूएस में भी भारत की तरह स्पेशल त्यौहार या इवेंट जैसे- गृह प्रवेश, धनतेरस, दिवाली, सावन, नवरात्रि, घर और कार के उद्घाटनों में पंडित जी काफी व्यस्त रहते हैं इसलिए पहले से अपॉइंटमेंट या बुकिंग करानी पड़ती है. अपने स्पेशल वीडियो में भारतीय कंटेंट क्रिएटर सारिका बताती हैं कि भारत से अमेरिका जाने के लिए पुजारी या पंडित जी को आर-1 वीजा लेना पड़ता है. यह वीजा स्पेशली धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यकर्ताओं के लिए बनाया गया है. इस वीजा के लिए पंडित जी लोगों को भी आवश्यक शर्तें, पात्रता और नियमों का पालन करना पड़ता है.

एक मौत ने खोले कई राज, दूसरी मौत ने बढ़ाया सस्पेंस, अब जांच के घेरे में कई सवाल

(यंग भारत न्यूज)

दौसा जिले के सिकराय उपकोष कार्यालय (ट्रेजरी ऑफिस) में 24 घंटे के भीतर हुई दो मौतों ने कई ऐसे सुलगते सवाल छोड़ दिए हैं, जिनका जवाब अब हर कोई जानना चाहता है. जूनियर अकाउंटेंट शीतल मीणा की संदिग्ध मौत और उसके तुरंत बाद असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर मनोज मीणा के सुसाइड ने इस पूरे मामले को राजस्थान का सबसे बड़ा रहस्यमयी केस बना दिया है.

शीतल के भाई द्वारा मनोज मीणा पर हत्या और प्रताड़ना का केस दर्ज करवाना, और फिर मनोज द्वारा सुसाइड नोट में भुसावर के नायब तहसीलदार अरुण मीणा पर धमकाने का आरोप लगाना, इस बात का साफ संकेत है कि इस दफ्तर की चारदीवारी के भीतर कुछ बहुत बड़ा चल रहा था. अब इस पूरे सनसनीखेज घटनाक्रम में 'आगे क्या' होने वाला है और पुलिस की तफ्तीश किन कड़ियों को जोड़ने में जुटी है. इस पूरे खौफनाक घटनाक्रम की शुरुआत बुधवार को हुई थी, जब सिकराय ट्रेजरी ऑफिस में ड्यूटी के दौरान जूनियर अकाउंटेंट शीतल मीणा की अचानक तबीयत बेहद बिगड़ गई थी. कार्यालय के अन्य सहकर्मियों ने गंभीर हालत में उन्हें तुरंत नजदीकी उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया था. उपचार के दौरान बुधवार देर रात शीतल मीणा ने दम तोड़ दिया. मौत की वजह कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन माना रहा है. इस घटना के बाद शीतल मीणा के भाई मोहनलाल मीणा ने मानपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उपकोष अधिकारी मनोज मीणा और कार्यालय के कुछ अन्य कर्मचारी शीतल को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे और उन्होंने ही किसी पेय पदार्थ में जहर मिलाकर उसकी हत्या की है. शीतल मीणा की मौत के बाद दर्ज हुए हत्या और प्रताड़ना के मुकदमे के बाद उपकोष अधिकारी मनोज मीणा भारी मानसिक तनाव में आ गए थे. जब उनका शव फंदे से लटका मिला, तो पुलिस को छानबीन के दौरान मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ. मनोज मीणा ने अपने पिता के नाम लिखे इस बेहद भावुक पत्र में खुद को बेकसूर बताते हुए भुसावर के नायब तहसीलदार अरुण मीणा और सोनू मीणा पर गंभीर आरोप लगाए हैं. सोनू मीणा कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा का भाई है, जबकि अरुण मीणा उसका रिश्तेदार बताया जा रहा है. मनोज मीणा के पिता ने पुलिस को बताया कि शीतल की मौत का केस दर्ज होने के बाद नायब तहसीलदार अरुण मीणा उनके घर आए थे. आरोप है कि उन्होंने मनोज से बातचीत के दौरान उसे जेल भिजवाने और करियर बर्बाद करने की सीधी धमकी दी थी, जिससे डरकर मनोज ने देर रात आत्मघाती कदम उठा लिया परिजनों के अनुसार, घटना के समय मनोज मीणा घर पर पूरी तरह अकेले थे. उनकी पत्नी किसी काम से अपने पीहर (मायके) गई हुई थीं. रात को जब पत्नी ने मनोज को लगातार कई बार फोन किया और वहां से कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने घबराकर पास में रहने वाले एक परिचित (किराएदार) को घर का हाल जानने के लिए भेजा. जब वह परिचित मनोज के कमरे में पहुंचा, तो वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए. मनोज मीणा फंदे से झूल चुके थे. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट और परिजनों की शिकायत के आधार पर नायब तहसीलदार और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है. शीतल मीणा की विसरा रिपोर्ट और मनोज मीणा के पोस्टमार्टम के बाद ही इस पूरे दोहरे मौत के मामले की असली सच्चाई सामने आ पाएगी.

1. शीतल और मनोज के बीच के कामकाजी व व्यक्तिगत संबंधों की पड़ताल

पुलिस के सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह पता लगाना है कि कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा और उपकोष अधिकारी मनोज मीणा के बीच आखिर किस तरह के संबंध थे? क्या उनके बीच महज कामकाजी रिश्ते थे या फिर कोई व्यक्तिगत मनमुटाव चल रहा था?

बीओम ने दागा शानदार गोल, दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को हराया

ग्वाडालाजारा

ह्वांग इन-बीओम ने एक गोल किया और एक अन्य गोल में मदद की, जिससे दक्षिण कोरिया ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विश्व कप फुटबॉल के दूसरे मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हरा दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और मैदान से बाहर जाते समय दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। इसके बाद चेक गणराज्य ने 59वें मिनट में कप्तान लादिस्लाव क्रेजी के हेडर से किए गए शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। यह गोल पेनल्टी एरिया में एक लंबी थ्रो-इन के बाद हुआ।

दक्षिण कोरिया ने 67वें मिनट में बराबरी कर ली, जब ह्वांग ने दो खिलाड़ियों को चकमा देने के लिए शॉट मारने का नाटक किया और गोल दाग दिया। इसके बाद उन्होंने दाहिनी ओर से क्रॉस पास दिया, जिस पर ओह ह्योन-ग्यू ने 80वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। यह मैच ग्वाडालाजारा स्टेडियम में खेला गया जहां सैकड़ों सीट खाली पड़ी थी। मैच खत्म होने के बाद दक्षिण कोरियाई टीम ने गोलपोस्ट के पीछे खड़े होकर अपने प्रशंसकों के साथ जश्न मनाया।

विश्व कप से बाहर हुए एंडो ने की संन्यास की घोषणा

टोकियो

जापान के कप्तान वतारू एंडो पांव में चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जिसके बाद लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले इस मिडफील्डर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में अपना पहला मैच नीदरलैंड के खिलाफ खेलना है लेकिन इससे पहले 33 वर्षीय एंडो ने अपने एक्स अकाउंट पर जापानी भाषा में टूर्नामेंट से हटने का अपना फैसला सुनाया। जापान की टीम टेनेसी के नैशविले में अभ्यास कर रही है। फरवरी में अपने बाएं पैर की सर्जरी कराने वाले एंडो ने कहा, 'चोट लगने के बाद से अब तक मैंने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की है और मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से भी संन्यास ले रहा हूं।'' एंडो ने 31 मई को तोक्यो में आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में वापसी की थी लेकिन वह हाफटाइम के बाद मैदान पर वापस नहीं लौटे थे। जापान की टीम के निदेशक मसाकुनी यामामोटो ने बताया कि डिफेंडर को इटाकुरा को नया कप्तान बनाया गया है, जबकि फारवर्ड शुटो माचिनो को एंडो की जगह टीम में शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

द. अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार : स्टेन

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने एसए20 लीग की सफलता में आईपीएल और दक्षिण अफ्रीका की इस टी20 लीग के बीच तालमेल को बड़ा पहलू बताते हुए कहा कि एसए20 ने उनके देश में दर्शकों को फिर स्टेडियम में लौटाया है। पहले चार सत्रों में एसए20 काफी कामयाब रही है और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को पांचवें सत्र में भी यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। स्टेन ने एसए 20 के पांचवें सत्र से कहा,' दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार है। कोरोना काल में दक्षिण अफ्रीका भी खेल से दूर हो गया था। स्थानीय खेलों पर उसकी बड़ी गाज गिरी। एसए 20 कमिश्नर ग्रेम स्मिथ और लीग ने क्रिकेट को देश में लौटाया है।' स्टेन ने कहा,' लोग क्रिकेट देखने को उतावले थे और हमने दर्शकों को वह दिया। उन्होंने इसे हाथोंहाथ लिया और एसए20 ने भी निराश नहीं किया। लोग बड़ी तादाद में अपनी टीमों का समर्थन करने स्टेडियम आ रहे हैं।'

बेंगलुरु में 3 सितंबर से ग्लोबल शतरंज लीग

नई दिल्ली। ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र 3 सितंबर से बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। लीग आयोजकों ने इसकी घोषणा की। टेक महिंद्रा और शतरंज की वैश्विक संचालक फिडे की संयुक्त पहल के रूप में शुरू हुई ग्लोबल शतरंज लीग ने शतरंज के पारंपरिक प्रारूप में कई नए बदलाव किए हैं। इसमें फ्रेंचाइजी आधारित टीमें, मिश्रित (पुरुष और महिला) टीम संयोजन तथा तेज गति वाले मुकाबलों का प्रारूप शामिल है। चौथे सत्र में भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टीम आधारित प्रारूप में खिताब के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल शतरंज लीग की स्थापना शतरंज को वास्तव में एक वैश्विक दर्शक खेल बनाने के उद्देश्य से की गई थी।

स्कॉटलैंड विश्वकप टीम में शामिल हुईं हन्ना रेनी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत से ठीक पहले अपनी टीम में बदलाव करना पड़ा है। चोटिल लेग-स्पिनर अब्ताहा मकसूद की जगह स्कॉटलैंड ने हन्ना रेनी को टीम में शामिल किया है। इस बदलाव को आईसीसी की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। टूर्नामेंट की इवेंट तकनीकी समिति ने रेनी को शामिल करने की मंजूरी दी। मकसूद को 9 जून को पाकिस्तान के खिलाफ स्कॉटलैंड के वार्म-अप मैच के दौरान मेटाकार्पल फ्रैक्चर हो गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गई थीं।

दोपहर 1.30 बजे से धर्मशाला में गिल और शाहिदी की टीमों में मुकाबला

अफगानिस्तान के खिलाफ आज से टीम इंडिया का 'मिशन वर्ल्ड कप'

रोहित की फिटनेस–नीतीश के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी। इस श्रृंखला में जहां रोहित शर्मा की मैच फिटनेस की परीक्षा होगी, वहीं चोटिल हार्दिक पंड्या के बैकअप के रूप में नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी कड़ी नजर रहेगी।

आईपीएल के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण कुछ मैच नहीं खेल पाने वाले रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के लिए समय रहते पूरी तरह से फिट हो गए हैं, लेकिन भारतीय टीम और दर्शकों को विराट कोहली की कमी खलेगी, जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारत अक्टूबर-नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की तैयारी कर रहा है। ऐसे में इस बात पर संदेह बना हुआ है कि क्या 39 वर्षीय रोहित वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहेंगे या नहीं। भले ही उम्र उनके पक्ष में नहीं हो लेकिन वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।

टीमें इस प्रकार

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, ईशान किशन, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, बिलाल सामी, नांग्येलिया खरोटे, फरीद अहमद मलिक, एएम गजनफर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान, जिया उर रहमान शरीफी।

विश्व कप से पहले भारत खेलेगा 25 वनडे

विश्व कप से पहले भारत को लगभग 25 वनडे मैच खेलने हैं, जिससे टीम को खिलाड़ियों और अलग-अलग संयोजन आजमाने का पर्याप्त मौका मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने तीन वनडे श्रृंखला खेली हैं, जिनमें से दो में उसे हार का सामना करना पड़ा था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर वह इस रिकॉर्ड में सुधार करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। गिल और रोहित के पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है, जबकि कोहली की अनुपस्थिति में तीसरे नंबर पर ईशान किशन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को उतारा जा सकता है।

अच्छी फॉर्म में नहीं कुलदीप

टीम में दूसरे ऑलराउंडर ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर हैं। स्पिन गेंदबाजी में कुलदीप यादव दूसरे विकल्प हो सकते हैं लेकिन वह अभी अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। कुलदीप ने हालांकि 120 वनडे में 194 विकेट लिए हैं और उनका अनुभव काफी मायने रखता है। अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे टीम में स्पिन गेंदबाजी का एक और विकल्प हैं। दुबे अच्छे बल्लेबाज भी हैं। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे, जबकि प्रिंस यादव या गुरनूर बराड़ तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं।

क्रिकेट

केन विलियमसन ने किया हैरान अचानक क्रिकेट से लिया संन्यास

क्राइस्टचर्च

अपने दौर के सबसे उम्दा बल्लेबाजों में से एक न्यूजीलैंड क्रिकेट के सबसे सफल दौर के नायक और अपने गरिमामय आचरण से विरोधी टीम को भी मुरीद बना लेने वाले केन विलियमसन ने 15 बरस से अधिक के सुनहरे कैरियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने की घोषणा की।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया। अपने शानदार कैरियर में विलियमसन ने देश के लिए 378 मैच खेले, अनगिनत बल्लेबाजी रिकॉर्ड बनाए और पूरी दुनिया में सम्मान पाया। विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने कई प्रारूपों में बनाए 19346 रन

35 वर्ष के विलियमसन ने न्यूजीलैंड के लिए विभिन्न प्रारूपों में 19346 रन बनाए हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में 33 शतक और छह दोहरे शतक समेत 9500 से अधिक रन हैं। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड दो बार आईसीसी विश्व कप फाइनल, तीन सेमीफाइनल में पहुंचा और 2021 में पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती।

संन्यास का सही समय : विलियमसन

विलियमसन ने कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यह सही समय है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए मेरे अंदर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और लगाव रहा है और मुझे इस बात पर गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिए हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।' उन्होंने कहा,' इससे कम पर खेलते रहना सही नहीं होगा और मैं खुशकिस्मत हूं कि अपनी इच्छा से मैंने यह फैसला लिया है।' विलियमसन ने कहा,' मैं पिछले कुछ दिन से इसके बारे में सोच रहा था और लगा कि यह सही समय है। इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं एक प्रतिभाशाली समूह देख रहा हूं जिनके आगे लंबा सफर है, जो इस न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ कुछ खास चीजें कर सकते हैं। यही टीम, जिसका मैं इतने लंबे समय तक हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत रहा हूं।' उन्होंने कहा,' न्यूजीलैंड टीम के लिए मेरे मन में काफी उम्मीद है और इस खेल के लिए भी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सिंधू ने सू यू को मात्र 27 मिनट में हराया, सेमीफाइनल में एंट्री

सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू यू को मात्र 27 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में सीधे गेमों में 21-6, 21-9 से पराजित किया। सिंधू ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और आसानी से अंतिम चार में जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में सिंधू का सामना जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा। यामागुची ने भारतीय किशोरी तन्वी शर्मा के शानदार अभियान का अंत करते हुए उन्हें 21-14, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला।

सिंधू के लिए सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण

सिंधू और यामागुची के बीच अब तक हुए मुकाबलों के आंकड़ों में भारतीय स्टार का पलड़ा थोड़ा भारी रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच खेले गए 28 मुकाबलों में सिंधू ने 15 जबकि यामागुची ने 13 जीत दर्ज की है। सिंधू के लिए यह सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को समाप्त करने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। सिंधू को दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद से अपने अगले खिताब का इंतजार है। पुरुष युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और एमआर अर्जुन क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग से 19-21, 9-16 से पिछड़ने के बाद बाहर हो गए।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, पॉवेल ने लगाया शानदार सिक्स

किंग्सटन

रोवमैन पॉवेल ने अंतिम ओवर में छक्का लगाया, जिससे वेस्टइंडीज ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी तरफ से कामिंदु मेंडिस ने 51 रन तथा कप्तान और सलामी बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने 36 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर और शमर जोसेफ ने तीन-तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज ने 3 विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसकी तरफ से कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई होप ने नाबाद 65 रन बनाए। इसके बाद पॉवेल ने नाबाद 10 रन बनाकर टीम को चार गेंद पहले ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने 37 रन का योगदान दिया। टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच शनिवार और रविवार को किंग्सटन के सबीना पार्क में ही खेले जाएंगे।

डब्ल्यूएफआई की कार्रवाई, 500 से अधिक पहलवान अयोग्य

नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उम्र में धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंडर-17 राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता से 500 से अधिक पहलवानों को अयोग्य घोषित कर दिया है। आधार आधारित सख्त सत्यापन प्रणाली लागू होने के बाद खिलाड़ियों के दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर विसंगतियां सामने आईं। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में 6 से 8 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला वर्गों में करीब 1,200 पहलवानों ने पंजीकरण कराया था। आयु सत्यापन के लिए जन्म प्रमाण पत्र के साथ-साथ खिलाड़ियों से मोबाइल नंबर से जुड़े आधार कार्ड प्रस्तुत करने और आधार ऐप के जरिए ओटीपी प्रमाणीकरण कराने को कहा गया। आधार ऐप में दस्तावेजों में किए गए सभी बदलावों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है, जिससे जांच और अधिक प्रभावी हो सकी।

आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी में विसंगति

जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी मेल नहीं खा रही थी। कई जन्म प्रमाण पत्र खिलाड़ियों के जन्म के वर्षों बाद जारी किए गए थे, जिससे संदेह और गहरा गया। एक मामले में एक पहलवान के जन्म प्रमाण पत्र में उसकी जन्म तिथि वर्ष 2007 और जन्म स्थान दिल्ली के नरेला क्षेत्र का बताया था, जबकि उसके आधार रिकॉर्ड में जन्म वर्ष 2004 और जन्म स्थान हरियाणा दर्ज था। इस विसंगति के बाद डब्ल्यूएफआई ने संबंधित अस्पताल से भी स्पष्टीकरण मांगा।

मैदान के बाहर बेबाक अंदाज और युवा खिलाड़ियों को पहचानने में माहिर कोच

सिर्फ चैंपियन नहीं, भारतीय शूटिंग में क्रांति का चेहरा थे राणा

नई दिल्ली

निशानेबाजी में विलक्षण प्रतिभा, मैदान के बाहर बेबाक अंदाज और युवा खिलाड़ियों को पहचानने में माहिर कोच, जसपाल राणा शायद पहले ऐसे निशानेबाज थे, जिन्होंने इस खेल में भारत के मजबूत होने से पहले ही भारतीयों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था।

राणा ने 49 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उन्हें दिल से जुड़ी समस्याएं हो गई थीं, जो म्यूनिख से दिल्ली लौटते समय उनकी उड़ान के दौरान सामने आईं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे राणा सिर्फ एक चैंपियन निशानेबाज ही नहीं थे। वह एक खेल क्रांति का चेहरा थे। भारत के विश्व में निशानेबाजी में एक ताकत के रूप में उभरने से काफी पहले किशोर राणा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शानदार प्रदर्शन से एक पीढ़ी को प्रेरित किया और उस खेल के पहले स्टार खिलाड़ियों में से एक बन गए, जो उस समय भारत में क्रिकेट के दीवाने लोगों के लिए काफी हद तक अनजान था। उनका उदय भारतीय निशानेबाजी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ।

निशानेबाजी के थे नायक

वह तस्वीर भारतीय खेल जगत की स्मृतियों में हमेशा के लिए बसी रहेगी जब विक्टोरिया में 1994 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद किशोर राणा को उनके पिता ने कंधों पर उठा लिया था। जिस निशानेबाजी खेल से भारत लगभग अपरिचित था, उस खेल में उन्हें एक नायक मिल गया था। उनका यह प्रदर्शन एक ऐसे खिलाड़ी का उदय था, जो एक चैंपियन और एक कठोर कोच के रूप में भारतीय निशानेबाजी के भाग्य को नई दिशा देने वाला था। उस सफलता ने राणा परिवार की किस्मत बदल दी, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने भारत के लिए पदक दिलाने वाले खेल के रूप में निशानेबाजी की क्षमता को उजागर किया।

12 साल की उम्र में जीता था स्वर्ण पदक

महज 12 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा का करियर लगभग दो दशकों तक चला, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक जीते। वह ओलंपियन भी थे। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों में भाग लिया था लेकिन पदक नहीं जीत पाए थे। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (2004 एथेंस ओलंपिक में रजत पदक) और अभिनव बिंद्रा (2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक) ने बाद में ओलंपिक में पदक जीते लेकिन इनकी जीत एक तरह से राणा ने रखी थी। दोहा में 2006 के एशियाई खेलों में उन्होंने तेज बुखार और मतली आने के बावजूद तीन स्वर्ण पदक जीते।

अल्फा का नया पोस्टर हुआ जारी, आलिया संग नजर आए शरवरी-बॉबी और अनिल

मुंबई। फिल्म 'अल्फा' का टीजर रिलीज होने के ठीक एक दिन बाद, आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस नए पोस्टर में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर काफी दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिव रवेल कर रहे हैं। बुधवार को फिल्म का पहला टीजर रिलीज किया गया था। टीजर की शुरुआत में आलिया भट्ट और बॉबी देओल एक साथ खाना खाते हुए दिखते हैं। बॉबी देओल, आलिया को उनके 18वें जन्मदिन की बधाई देते हैं और उन्हें एक कमरे का नंबर लिखा हुआ कार्ड देते हैं। बॉबी कहते हैं कि अब ट्रेनिंग को सच में आजमाने का समय आ गया है। इसके बाद फिल्म के कुछ शानदार एक्शन सीन दिखाए जाते हैं। टीजर से पता चलता है कि बॉबी देओल ने आलिया को एक खतरनाक एजेंट बनने के लिए कई साल तक ट्रेनिंग दी है।

लाइफ Style

भूमि
सशस्त्र बलों के प्रति जताया आभार

सिक्किम सीमा के दौरे के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना गहरा आभार जताया है। इस दौरान भूमि ने सीमा का दौरा किया और साथ ही सैनिकों से बातचीत भी की। भूमि पेडनेकर सिक्किम की तीन दिवसीय यात्रा पर गई थीं। इस दौरान उन्होंने भारत की सीमा का दौरा किया और वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की।

नई दिल्ली

भूमि ने बताया कि वह खुद को हमेशा से एक सच्ची देशभक्त मानती हैं। सीमा पर जाकर उन्हें अहसास हुआ कि हमारे सैनिक देश के लिए कितना बड़ा बलिदान देते हैं। सैनिकों से बात करके वह खुद को उनका कर्जदार महसूस कर रही हैं। भूमि ने बताया कि सीमा पर बेहद ठंड थी, लेकिन वहां का नजारा बहुत खूबसूरत था। भूमि ने उस क्षेत्र के इतिहास को भी समझा और कहा कि देश की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों पर उन्हें बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए हम आम नागरिक उतना योगदान नहीं दे पाते, जितना हमें देना चाहिए। भूमि ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगा के हईशा' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके काम की जमकर तारीफ हुई। इसके बाद उन्होंने टॉयलेट एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान, बाला, पति पत्नी और वो, सांड की आंख, बधाई दो और भक्षक जैसी कई बेहतरीन फिल्मों और वेब सीरीज दलदल में काम किया है। अभिनय में आने से पहले भूमि ने यश राज फिल्म्स में लगभग छह साल तक सहायक कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम किया था। भूमि को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज दलदल में देखा गया था, जो 30 जनवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज में भूमि ने मुंबई क्राइम ब्रांच की डीसीपी रीता फरेरा का मुख्य किरदार निभाया है।

हॉलीवुड मसाला

ऑब्सेशन ने खर्च से 300 गुना से ज्यादा की कमाई

नई दिल्ली। हॉलीवुड में इन दिनों 'ऑब्सेशन' नामक ऐसा तूफान आया है, जिसकी चर्चा बड़े-बड़े फिल्म स्टूडियोज और सुपरस्टार्स के बीच हो रही है। दर्शकों के लिए भले ही यह मनोरंजन है मगर मात्र 6.3 करोड़ रुपए में बनी इस फिल्म ने रिलीज के महज चार सप्ताह में 1,900 करोड़ रुपए की वैश्विक कमाई कर ली है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में जब 'ऑब्सेशन' को दिखाया गया था, तो किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतिहास रच देगी। इस फिल्म ने अब तक के फिल्म फेस्टिवल इतिहास की सबसे बड़ी 'एक्विजिशन' (फेस्टिवल के दौरान किसी बड़ी कंपनी द्वारा खरीदे जाने के बाद बंपर कमाई करने वाली फिल्म) बनने का गौरव हासिल कर लिया है। इस मामले में इसने दिग्गज डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'फारेनहाइट 9/11' का सालों पुराना रिकार्ड तोड़ दिया है।

टेलर होंगी सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम क्लब का हिस्सा

लॉस एंजिल्स। पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के फैंस दुनियाभर में हैं। इस पॉप सिंगर ने हाल ही में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। गुरुवार को उन्हें प्रतिष्ठित 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया। इसके साथ ही सिंगर इस क्लब में शामिल होने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन चुकी हैं। सिंगर टेलर स्विफ्ट ने महज 36 साल की उम्र में यह सफलता प्राप्त की है। मशहूर सिंगर और म्यूजिशियन के क्लब 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में उनकी एंट्री हो गई है। सबसे खास बात यह है कि वो इस क्लब की सबसे कम उम्र की मेंबर हैं। उन्होंने कैरोल किंग सिंगर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 1987 में कैरोल हॉल ऑफ फेम का हिस्सा बनीं, उस वक्त उनकी उम्र 45 साल थी। सॉन्गराइटर्स हॉल ऑफ फेम में सिर्फ मशहूर लेखकों और संगीतकारों को शामिल किया जाता है। 1983 में अमेरिकन सिंगर और म्यूजिशियन स्टीवी वंडर इस क्लब का हिस्सा बने थे। तब वह महज 32 साल के थे। क्लब के अब तक के इतिहास में वह सबसे कम उम्र के सेलिब्रिटी हैं। इस क्लब में शामिल होने के लिए हस्तियों की उम्र लगभग 50 साल या उससे ऊपर होनी चाहिए।

नर्स बनकर कंगना के साहस ने जीता दिल

मुंबई। कंगना रनौत की फिल्म भाग्य विधाता रिलीज हो गई है। इसमें कंगना ने एक नर्स का किरदार निभाया है। इसके अलावा फिल्म 26/11 हमले पर आधारित है। इस मुद्दे पर वैसे तो कई फिल्में बनी हैं, लेकिन डायरेक्टर मनोज तपाड़िया की फिल्म इसमें एक ऐसा एंगल लेकर आई है, जिसके बारे में कम लोग जानते हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि जब आतंकवादी उस दौरान एक अस्पताल में घुस गए थे तब क्या हुआ था। इसमें कंगना का किरदार रियल लाइफ नर्स अंजलि कुल्ते पर आधारित है, जिनके साहस और उनके साथ जो नर्स थीं उनकी मदद से उन्होंने 400 लोगों की जिंदगी को बचाया था। कंगना ने अपना किरदार बखूबी निभाया है। उनकी परफॉर्मेंस इतनी क्लीन थी कि नर्स का मरीजों के साथ जो बॉन्ड दिखता है वो काफी साफ और इमोशनली कनेक्ट करता है।

ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया जा चुका है। 'भटकंडी' नाम के एक काल्पनिक गांव पर बेस्ड यह सीरीज ह्यूमर के जरिए देश के गांवों में स्वास्थ्य सेवा की कड़वी सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करती दिख रही है। इस ट्रेलर में अमोल पाराशर एक बार फिर डॉक्टर के किरदार में गांव के दर्दों से जूझते दिख रहे हैं। वह चाहते हैं कि भटकंडी के हेल्थ सेंटर को किसी तरह से बचाया जा सके और इसी के साथ वो एक आदर्श पीएचसी का खिताब भी पाना चाहते हैं। डॉक्टर प्रभात गांववालों को चिकित्सालय बुलाने के लिए नई-नई तरकीब लगानेवाले हैं, लेकिन अब देखना ये है कि वे कितना सफल होते हैं। हालांकि, ये सब इतना आसान नहीं। इस ट्रेलर की शुरुआत डॉक्टर के सामने ऐसे पेशेंट से होती है, जिसे सुनकर शायद किसी को भी उल्टी आ जाए।

टीवी मसाला

दिव्यांका ने दिखाई जुड़वां बेटों की झलक, कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने आखिरकार अपने जुड़वा बेटों की पहली झलक शेयर की है और फैंस इन प्यारी तस्वीरों को बार-बार देख रहे हैं। एक्ट्रेस ने 25 मई को अपने पति विवेक दहिया के साथ अपने बेटों का स्वागत किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्यारी तस्वीरें पोस्ट करके अपने फॉलोअर्स को एक मां के तौर पर अपनी नई जिंदगी की एक प्यारी सी झलक दिखाई है। इन तस्वीरों में मां बनने के शुरुआती दिनों के कुछ अपने खास पल कैद हैं। तस्वीरों में दिव्यांका त्रिपाठी अपने नवजात बेटों को गले लगाए और उन्हें प्यार से चूमती हुई नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें उस खुशी और प्यार को दिखाती हैं जो जुड़वा बच्चों के आने के बाद से ही इस कपल के घर में भर गया है। तस्वीरों के साथ दिव्यांका ने एक लंबा लेकिन दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया। उन्हें मां बनाने के लिए अपने बेटों का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुझे चुनने के लिए धन्यवाद'। उनके इस दिल से निकले मैसेज ने तुरंत ही फैंस का दिल जीत लिया और कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में परिवार के लिए प्यार और दुआओं की बौछार कर दी। 'ये है मोहब्बतें' में इशिता भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हुई इस एक्ट्रेस को फैंस अक्सर प्यार से 'इशी मां' कहकर बुलाते हैं। अब वह असल जिंदगी में भी मां बन गई हैं, और उनके फॉलोअर्स उन्हें इस नए रोल में देखकर बहुत खुश हैं।

'टीवी शो और फिल्मों में आए थे नजर'

नई दिल्ली। 90 के दशक में कई चर्चित हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में अभिनेता दिनयार तीरंदाज नजर आए थे। यह कलाकार अब हमारे बीच नहीं हैं। इनके निधन की खबर से फिल्म जगत के कलाकारों और प्रशंसकों के बीच शोक लहर दौड़ पड़ी है। इस दिग्गज अभिनेता के निधन की जानकारी पारसी जोरास्ट्रियन फेसबुक पेज के जरिए साझा की गई है। दिनयार तीरंदाज कई दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहे। उन्होंने 1994 में रिलीज हुई फिल्म दुनिया से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

नुक्कड़ और ब्योमकेश बख्शी जैसे हिट टेलीविजन शो में काम किया था। टेलीविजन के अलावा वह दिग्गज अभिनेता कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखाई दिए। ठेले बाबर, अलबेला, चलते-चलते, मैंने प्यार क्यों किया, हाय कहता दिल है वो मानता नहीं और कमाल धमाल मालामाल जैसी फिल्मों में दिनयार तीरंदाज ने अभिनय किया था।

50 साल बाद चितचोर के कलाकारों का मिलन

नई दिल्ली। साल 1976 में आई फिल्म 'चितचोर' ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। इसके लगभग पांच दशक बाद अब इस फिल्म के एक्टर्स जरीना वहाब और मास्टर राजू फिर से साथ देखकर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। जरीना वहाब ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है जोकि फैंस को काफी ज्यादा आकर्षित कर रही है। तस्वीर में वह मास्टर राजू के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती दिख रही हैं। तस्वीर सामने आते ही फैंस को फिर से चर्चित फिल्म 'चितचोर' की याद आ गई। वहाब के प्यार भरे सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस को दिखा दिया कि कुछ ऑन-स्क्रीन रिश्ते फिल्म खत्म होने के बाद भी बने रहते हैं।

क्या है चितचोर की कहानी?

चितचोर का निर्देशन बासु चटर्जी ने किया था। यह सुबोध घोष की बंगाली कहानी चित्तचोर पर आधारित थी। फिल्म में विजयेंद्र घाटगे, अमोल पालेकर, ए.के. हंगल, दीना पाठक, रितु कमल, शैल चतुर्वेदी और सी.एस. दुबे जैसे कलाकार शामिल थे। फिल्म की कहानी एक पिता पर केंद्रित है, जो गलती से गलत दूल्हे को घर ले आता है। इसी दौरान लड़की और उस युवक के बीच प्यार पनपने लगता है। बाद में एक पत्र आने के बाद कहानी में बड़ा मोड़ आता है और कई भावनात्मक घटनाएं सामने आती हैं। मास्टर राजू का असली नाम राजू श्रेष्ठ है। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। अमर प्रेम, बावर्ची, परिचय, दाग, अभिमान, चितचोर, किताब और खट्टा मीठा उनकी कुछ यादगार फिल्में हैं।

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर होगा बड़ा क्लैश आमने-सामने होंगे बॉबी और सामंथा

नई दिल्ली। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साउथ फिल्मों के चाहने वालों के लिए ये हफ्ता बेहद खास होने वाला है। एक तरफ जहां इस हफ्ते सिनेमाघरों में एक से बढ़कर एक फिल्मों की बाढ़ आई है। वहीं, दूसरी तरफ साउथ की फिल्में इस हफ्ते धमाल करने के लिए तैयार हैं। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो चलिए बताते हैं कौन-कौन सी फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

बालन: द बॉय

बालन: द बॉय एक ऐसे लड़के की कहानी है जो उथल-पुथल भरे बचपन से जूझ रहा है और अपनी मां के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद समाधान की तलाश में भटकता है। कलाकार- चंदू सलीम कुमार, गणपति, टॉबियो थॉमस, सिद्धार्थ शिवरामन, शैली किशोर। शैली किशोररावस्था से वयस्कता में परिवर्तन की कहानी, भाषा मलयालम, रिलीज की तारीख 19 जून।

मां इंटी बंगारम

मां इंटी बंगारम एक ऐसी महिला की कहानी है, जो दो साल बाद अपने पति के परिवार से मिलने जाती है, बिना उनका आशीर्वाद लिए। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में उसका अतीत उसके दरवाजे पर दस्तक देता है। फिर जो होता है वो इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाता है। कलाकार-सामंथा रुथ प्रभु, गुलशन देवैया, दिगंत मनचले, गौतमी तडिमल्ला, मंजूषा, श्रीनिवास अविरेड्डी, निर्देशक बी.वी. नंदिनी रेड्डी, शैली एक्शन कॉमेडी, भाषा तेलुगु, रिलीज की तारीख 19 जून।

जना नायकन

जून में थलपति विजय की धमाकेदार फिल्म 'जना नायकन' को लेकर दर्शकों के बीच काफी क्रेज बना हुआ है। ये फिल्म विजय के 52वें जन्मदिन के सप्ताह में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। हालांकि, इसे लेकर ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है लेकिन ये टिकट बुकिंग ऐप्स पर नोटिफाई हो चुकी है। कहानी थलपति केवी कोडन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी दशक पुरानी फिर्मों को एक सख्त और साहसी सेना अधिकारी बनाना चाहते हैं।

जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी... आज भी सुनकर रो पड़ते हैं लोग
रफी ने अमिताभ के मरने वाले सीन पर फ्री में गाई थीं सिर्फ ये 4 लाइनें

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गई थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं। आज भी इस गाने को बेहद पसंद किया जाता है। बॉलीवुड के लेजेंड्री सिंगर मोहम्मद रफी की आवाज का जादू आज भी लोगों के सिर पर चढ़कर बोलता है। उनके गानों को हर उम्र के लोग सुनना पसंद करते हैं। मौका कोई भी दर्द का खुशी का या फिर रोमांस का रफी के गाने हर मूड के लिए परफेक्ट हैं। लेकिन, अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गई थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं।

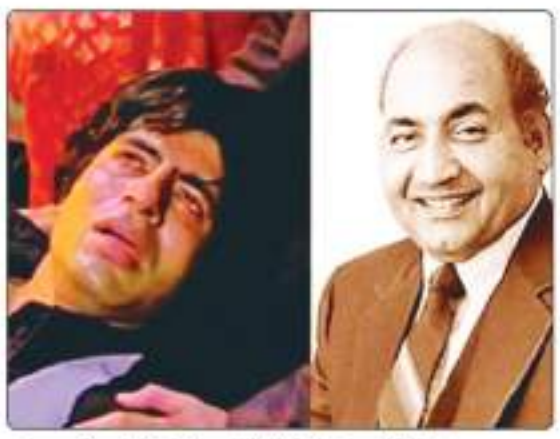

क्लाइमेक्स सीन ने हर, किसी को रुला दिया था

इस पर मोहम्मद रफी ने आनंद जी बात रखी और चार लाइनें गाने के लिए तैयार हो गए। ये गाना था 'जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी / मौत महबूबा है, अपने साथ लेकर जाएगी...'। इस लाइन को गाने के लिए रफी ने कल्याणजी-आनंदजी से एक पैसा नहीं लिया और अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद इसे फ्री में गाया। रफी की इस बात कल्याणजी-आनंदजी ऐसे कायल हुए कि कहा ये सिर्फ वो ही कर सकते हैं। इस गाने ने रिलीज के बाद हर किसी को रुला दिया और आज भी इसे सुनकर आंखें भर आती हैं।

1978 में रिलीज हुई थी 'मुकद्दर का सिकंदर'

हम बात कर रहे हैं अमिताभ बच्चन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' की जो साल 1978 में रिलीज हुई थी। 'मुकद्दर का सिकंदर' अमिताभ के करियर की सफल फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म का म्यूजिक कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था। वहीं, इसके निर्देशक प्रकाश मेहरा का मानना था। इसके गीत अनजान ने लिखे। इस फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार ने गाए थे। इस मूवी के क्लाइमेक्स सीन ने हर किसी को रुला दिया था। क्लाइमेक्स को और भी असरदार बनाने में रफी का बहुत बड़ा रोल था।

आनंदजी चाहते थे रफी गाएं

दरअसल, हम पहले ही बता चुके हैं कि 'मुकद्दर का सिकंदर' के सारे गानों को किशोर कुमार ने गाया। इसमें फिल्म का टाइटल ट्रैक 'वो मुकद्दर का सिकंदर', 'ओ साथी रे' शामिल हैं। इस फिल्म के क्लाइमेक्स सीन, जिसमें अमिताभ बच्चन की मौत होती है, उसके लिए कल्याणजी-आनंदजी को सिर्फ चार लाइनें चाहिए थे, जिसे वो किशोर कुमार से नहीं बल्कि मोहम्मद रफी से गवाएं। आनंदजी जो दर्द चाहते थे इस गाने में उन्हें यकीन था के सिर्फ रफी ही दे सकते हैं।

किशोर से क्यों नहीं गवा लेते

कल्याणजी-आनंदजी को लेकिन ये बात खाए जा रही थी कि वो मोहम्मद रफी से सिर्फ चार लाइन गाने के लिए कैसे कहें। क्योंकि, उनकी फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार गा रहे थे। हुआ भी कुछ ऐसा ही। हिम्मत करके आनंदजी ने रफी को कॉल करके अपनी बात बताई कि वो चाहते हैं कि आप उनकी फिल्म के लिए सिर्फ चार लाइनें गा दें। रफी ने कहा कि क्यों, किशोर से क्यों नहीं गवा लेते, वो तो सारे गाने गा रहे हैं। इस पर आनंद जी ने कहा कि नहीं, जो दर्द और फील हम उस लाइन में चाहते हैं वो आप ही दे सकते हैं।

प्रभारी मंत्री ने झाँसी का लोगो ' गौरवशाली इतिहास, उज्ज्वल भविष्य' झांसी 'वीरता संग विकास की ओर' का किया लोकार्पण

- मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न
- जनपद में समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के दिए जांच के आदेशः-प्रभारी मंत्री
- जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्युत विभाग की अत्याधिक शिकायतों पर मुख्य अभियंता विद्युत को आचरण सुधारते हुए जनहित में कार्य करने के दिए निर्देश
- जनपद में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल निगम/नगर निगम के अधिकारी संवेदनशील होकर कार्य करें :- प्रभारी मंत्री
- मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों द्वारा तीमारदारों के साथ मारपीट की जांच कमेटी से कराए जाने के आदेश :- प्रभारी मंत्री

झाँसी। आज मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन जयवीर सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ शासन द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति समीक्षा सहित झाँसी में कोर कमेटी एवं जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए माननीय मंत्री जी का फोकस जनपद में बिजली और पानी पर रहा,उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों से आपसी सामंजस्य बनाते हुए कार्यकारिणी का सुझाव दिया ताकि आम जनता को राहत मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त अधिकारी अपने विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति के द्वार तक योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभिन्न विभागों के नए कार्य या जीर्णोद्धार कार्यों का शिलान्यास/ उद्घाटन जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनसे कराए जाने के भी निर्देश दिए ताकि किए जा रहे कार्यों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी मंत्री ने जनपद में गर्मी को देखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि विद्युत आपूर्ति नियमित एवं निर्बाध रूप से सुनिश्चित कराई जाए, ताकि किसानों एवं आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा विद्युत विभाग के कार्यों की एवं उच्च अधिकारियों द्वारा समस्याओं का निराकरण न करने की शिकायत पर मुख्य अभियंता विद्युत को आचरण सुधारे जाने के निर्देश देते हुए समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि को बढ़ाने, जहां जरूरत हो वहां विद्युत पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ट्रांसफॉर्मर, फीडर और लाइन की नियमित जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय से पूर्ण कराया जाए ताकि आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। समीक्षा बैठक में मा0 प्रभारी मंत्री जी ने बैठक में नगर की पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली, विधायक सदर द्वारा नगर की पेयजल व्यवस्था पर गहरा रोष व्यक्त करने पर माननीय प्रभारी मंत्री जी ने जल संस्थान, जल निगम एवं नगर निगम को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए नगर के सभी घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की अमृत-02 परियोजना का माह अगस्त 2026 में लोकार्पण किए जाने की जानकारी अधिशासी अभियंता जल निगम द्वारा दी गई है, यदि लोकार्पण में विलंब होता है तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम समूह पेयजल योजनाओं की जानकारी ली, उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना अंतर्गत घरों में लगे प्रत्येक जल संयोजन तक पानी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां पानी नहीं पहुंच पा रहा है वहां बूस्टर लगाते हुए पानी उपलब्ध कराएं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने योजनांतर्गत रोड काटने के बाद उसे अब तक ठीक न करने पर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल ऐसी सड़कों का सर्वे करने के निर्देश दिए ताकि सभी सड़कों को ठीक कराया जा सके। बैठक में मा0 प्रभारी मंत्री श्री जयवीर सिंह जी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए,जिलाध्यक्ष भाजपा द्वारा मेडिकल कालेज में डाक्टरों और तीमारदारों के मध्य लगातार हो रही मारपीट की जानकारी दी गई,जिस पर प्रभारी मंत्री जी ने तत्काल ऐसी घटनाओं की कमेटी बनाकर जांच किए जाने के आदेश दिए,उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाया जाए, सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला अस्पताल में प्राइवेट व्यक्ति द्वारा दवा लिखने सहित अन्य अनियमितताओं की जांच मुख्य विकास अधिकारी से कराए जाने के निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 प्रभारी मंत्री जी ने कहा की प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि अस्पतालों में सारी व्यवस्थाएँ चाक चौबंद रहे ताकि गरीब व्यक्ति को सुविधाजनक इलाज मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए की जनपद की सभी सीएचसी/पीएचसी में तैनात डॉ के नाम, उनका मोबाइल नंबर और वह किस बीमारी के विशेषज्ञ हैं, के अतिरिक्त उनके मरीज देखने का समय सहित बोर्ड पर चस्पा किया जाए ताकि लोगों को जानकारी मिल सके। उन्होंने सीएमओ को औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री द्वारा समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम में अव्यवस्थाओं की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त कन्याओं को दिए जाने वाले सामान की गुणवत्ता पर भी असंतोष व्यक्त किया। मा0 प्रभारी मंत्री ने तत्काल शादी विवाह के आयोजन के जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि शादीशुदा जोड़ों की भी कार्यक्रम में शादी कराई गई भविष्य में शादियों का रजिस्ट्रेशन भी कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। आयोजित बैठक में महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि झाँसी मेडिकल कॉलेज में जनपद ही नहीं अन्य जनपदों के भी मरीज आते हैं, परंतु मरीजों और तीमारदारों के साथ चिकित्सकों द्वारा लगातार मारपीट की शिकायतें मिल रही हैं इसे रोका जाए। जिला अस्पताल में वार्डों में अँधेरा और प्राइवेट व्यक्ति द्वारा दवाओं लिखे जाने की खबर समाचार पत्रों में लगातार प्रकाशित होती है इस पर कार्यवाही की जाए। बैठक में विधायक सदर रवि शर्मा ने शहर में पेयजल व्यवस्था चौपट है की शिकायत करते हुए जल निगम, जल संस्थान एवं नगर निगम को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के आपसी समन्वय न होने के कारण आम जनता को पानी नहीं मिल पा रहा है। बैठक में विधायक बबीना राजीव सिंह पारीछा ने क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था के चरमराए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि लगातार अधिकारियों से संपर्क करने पर भी अधिकारी द्वारा कोई समाधान नहीं निकाला जाता है। क्षेत्र के ट्रांसफार्मर खराब होने पर तेल न होने की वजह से ट्रांसफार्मर ठीक न करने की जानकारी अधिकारियों द्वारा दी जाती है। विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत ने अपने विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने खड़ौरा में इंटर कालेज में शिक्षण कार्य शुरू किए जाने शुरू कराए जाने का सुझाव दिया। बैठक में विधायक मऊरानीपुर डॉ0 रश्मि आर्या ने मऊरानीपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्थाई महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती की मांग रखी ताकि क्षेत्र की महिलाओं को प्रसव के दौरान समस्या न हो। उन्होंने अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था को भी मजबूत किए जाने का सुझाव दिया। बैठक का संचालन करते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने प्रत्येक विभाग की एक-एक परियोजना के विषय में जानकारी दी। उन्होंने प्रभारी मंत्री को जनपद की नई पहल जनसंपर्क की जानकारी देते हुए बताया कि बीसी के माध्यम से पीड़ित के साथ मौके पर ही संवाद करते हुए उसकी समस्या का निराकरण किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने उनकी इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अन्य अधिकारियों को भी जनसंवाद के माध्यम से शिकायतों के निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक से पूर्व प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह पर्यटन एवं सांस्कृतिक विभाग, उत्तर प्रदेश ने सर्किट हाउस में कोर कमेटी की बैठक ली। बैठक में समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद के विकास और योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। तदोपरांत कलेक्ट्रेट प्रांगण में लगी विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों को देख उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। समीक्षा बैठक में मेयर बिहारी लाल आर्य,महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह, विधायक सदर रवि शर्मा, विधायक बबीना राजीव सिंह परीछा, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत,सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन, सदस्य विधान परिषद रामतीर्थ सिंघल,सदस्य विधान परिषद डॉ0 बाबूलाल तिवारी, श्री राम गौ सेवा संस्थान श्याम बिहारी गुप्ता, जिलाधिकारी गौरांग राठी , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, नगर आयुक्त सुश्री आकांक्षा राणा मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड डीएफओ नीरज कुमार आर्य, सीएमओ डॉ0 शिशिर पुरी,अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे योगेन्द्र कुमार, अपर जिला अधिकारी न्याय श्री अरुण कुमार गौड़,आधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग रजनीश गुप्ता, सहायक निदेशक सूचना सुरजीत सिंह, डीएसटीओ डॉ0 अर्चना सिंह, सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकास भवन में जिलाधिकारी ने किया हेल्प डेस्क का उद्घाटन

- आगंतुकों को नहीं होगा भटकना, हेल्प डेस्क से दी जाएगी कार्यालय पहुंचने की जानकारी
- शिकायतकर्ता भी जनसंवाद डेस्क से ले सकेंगे शिकायत का फीडबैकः- जिलाधिकारी
- जिलाधिकारी के निर्देश पर विकास भवन में बने विभिन्न विभागों के डेस्क, शिकायतों/ समस्या का होगा संतुष्टिपरक निस्तारणः- जिलाधिकारी
- जिलाधिकारी ने फीता काट कर किया हेल्प डेस्क का शुभारंभ, काउंटर पर तैनात कर्मचारियों से किया संवाद
- शिकायतों/ समस्याओं पर प्रभावी कार्रवाई के लिए बनाए गए विभागवार शिकायती रजिस्टर

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जनपदवासियों को उनके द्वारा दी गई शिकायतों अथवा समस्याओं के निस्तारण में समयबद्धता, पारदर्शिता और गुणात्मकता के साथ शिकायत पर की जा रही कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विकास भवन में डेस्क का शुभारंभ किया।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने उद्घाटन करते हुए बताया कि जनतादर्शन हेतु विकास भवन में बने विभिन्न विभागों के डेस्क पर सभी प्राप्त जनशिकायतों एवं समस्याओं के संतुष्टिपरक निस्तारण हेतु निम्नवत् कार्य सम्पादित किया जायेगा। विकास भवन में उपस्थित सभी आगंतुकों/ शिकायतकताओं की शिकायती विवरण को डेस्क द्वारा जांच की जायेगी कि शिकायतकर्ता उक्त शिकायती प्रार्थना पत्र के साथ प्रथम बार आया है या दूसरी या तीसरी बार उसी शिकायती प्रार्थना पत्र हेतु उपस्थित हुआ है। यदि शिकायतकर्ता दूसरी या तीसरी बार उसी शिकायती प्रार्थना पत्र हेतु उपस्थित हुआ है तो हेल्प डेस्क पर कार्यरत कर्मचारी द्वारा पूर्व की शिकायत पर की गयी कार्यवाही की आख्या के साथ उसे संबंधित विभाग के प्रभारी अधिकारी के समक्ष उपस्थित करते हुए दिये गये निर्देशों के अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि विकास भवन में जनतादर्शन के दौरान प्राप्त सभी जनशिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारी के मार्किंग के उपरांत उसे आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कर सम्बंधित अधिकारी को निस्तारण हेतु समय से प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त हेल्प डेस्क पर उपलब्ध कर्मचारी द्वारा आगंतुकों विभाग की जानकारी भी दी जाए ताकि उसे विकास भवन में भटकना न पड़े। जनता दर्शन के दौरान प्राप्त सभी जनशिकायतें निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता से निस्तारण की कार्यवाही के सम्बंध में फीडबैक प्राप्त करते हुए उसे निस्तारण की कार्यवाही से अवगत करायेगें तथा उसके संतुष्ट/असंतुष्ट की स्थित से प्रभारी अधिकारी जनतादर्शन को अवगत कराते हुए उसे फीडबैक रजिस्टर पर दिनांक व समय के विवरण के साथ दर्ज करेंगे साथ ही समय-समय पर फीडबैक रजिस्टर को प्रभारी अधिकारी से सीन भी करायेगें। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि हेल्प डेस्क पर उपस्थित संबंधित कर्मचारी द्वारा फीडबैक प्राप्त करने के दौरान शिकायतकर्ता से जानने का प्रयास भी करेंगे कि निस्तारण हेतु किस अधिकारी या कर्मचारी द्वारा उनसे सम्पर्क किया गया या स्थलीय निरीक्षण हेतु कौन से अधिकारी या कर्मचारी आये थे। इसके साथ ही फीडबैक प्राप्त करते समय यह भी जानने का प्रयास किया जाये कि क्या उनकी शिकायत के निस्तारण किसी अधिकारी ने उनकी शिकायत के निस्तारण हेतु संवाद किया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को प्रभारी अधिकारी के अवलोकन के उपरांत निस्तारणकर्ता अधिकारी को पुनः गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु उनके व्हाट्सऐप पर प्रेषित किया जायेगा। जिसे उन्हें पुनः गुणवत्तापरक निस्तारण करते हुए शिकायत करते हैंकर्ता, को संतुष्ट किया जाना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनबाड, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, पीडी डीआरडीए राजेश कुमार, डीपीआरओ डॉ0 बालगोविंद श्रीवास्तव,डीसी मनरेगा शिखर कुमार श्रीवास्तव सहित व्यक्तिक सहायक राजेन्द्र कुमार पटेरिया, एस्टेनो, विश्वनाथ शर्मा व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अयोध्या राम मंदिर दान गबन विवादः राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी गठित, 15 दिनों में फाइनल रिपोर्ट देगी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः अयोध्या राम मंदिर में दान पात्रों की राशि में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एसआईटी का गठन कर उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया गया था. शासन ने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन शनिवार को कर दिया. यह टीम 7 दिन में प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिन में फाइनल रिपोर्ट सरकार को देगी. इस कमेटी में लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज आईपीएस किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन शामिल हैं.

ट्रस्ट का कहना है कि करोड़ों देश-विदेश के भक्तों की अटूट आस्था से जुड़े इस पावन मामले की पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होना बेहद आवश्यक है, ताकि सोशल मीडिया पर चल रही तमाम तरह की भ्रामक अफवाहों पर तत्काल पूर्णविराम लग सके. राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार राम मंदिर के दान पात्रों में दान की गई बहुमूल्य धनराशि की चोरी के संबंध में फैल रही अफवाहों को लेकर ही ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से यह अनुरोध किया था. विक्रम तिवारी ने स्न्नक्र दर्ज करने की मांग की: अयोध्या निवासी विक्रम तिवारी ने कोतवाली अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है और उन्होंने प्रार्थना पत्र दिया है. उन्होंने लिखा है कि खबरों के माध्यम से संज्ञान में आया है कि श्रीराम मंदिर में श्र ?द्धालुओं द्वारा अर्पित दानराशि के प्रबंधन में कथित अनियमितता की बात सामने आयी है. कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता की आशंका व्यक्त की गई है तथा नकदी बरामद होने की बात सामने आई है. इसके लिए तत्काल प्रभाव से स्न्नक्रदर्ज करने के साथ स्वतंत्र एजेंसी से जांच हो. सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज से जांच कराने की मांग: वाराणसी पहुंचे काली सेना के संस्थापक स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि चंदा चोरी को लेकर जो भ्रम की स्थिति बनी हुई है, उसे खत्म करना चाहिए और अपने ही ट्रस्ट के लोग भाजपा और आरएसएस लोग मिलकर की एक कमेटी बना देंगे और उसकी जांच करेंगी. यह बिल्कुल सही नहीं है. भाई चोरी भी हम ही करेंगे. जांच भी हम ही करेंगे निष्पक्ष रूप से किसी न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज से इसकी जांच कराई जाए. भारत के सभी मंदिरों को सरकार से मुक्त करने को लेकर काशी में रविवार को हिंदू महापंचायत होगी, जिसका नाम हिंदू महासंगम है. पूर्व लेखा प्रभारी ने लगाए ट्रस्ट पर गंभीर आरोप: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आधिकारिक रूप से इस पूरे प्रकरण को महज एक सोची-समझी दान चोरी की अफवाह और दुष्प्रचार माना है. यह पूरा विवाद तब देश भर की सुर्खियों में आया जब राम मंदिर के पूर्व मुख्य लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने दावा किया कि मंदिर के चढ़ावे की गिनती के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की जा रही थीं. उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि पूर्व में एक बार उन्होंने स्वयं अपनी सतर्कता से लगभग 5 लाख रुपये की नकद चोरी को रंगेहाथ पकड़ा था, लेकिन उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत करने के बाद उन्हें न्याय देने के बजाय उल्टे नौकरी से ही निष्कासित कर दिया गया. महिपाल सिंह ने अपने दावों को और मजबूत करते हुए यह भी संगीन आरोप लगाया कि मंदिर परिसर के कुछ महत्वपूर्ण ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज को जानबूझकर डिलीट कर दिया गया है और भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी व अन्य कीमती आभूषणों का कोई भी पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड नहीं रखा गया है. चंपत राय ने किया आरोपों का खंडन: ट्रस्ट के प्रभावशाली महासचिव चंपत राय ने पूर्व लेखा प्रभारी द्वारा लगाए गए इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इनका कड़ा खंडन किया है. उन्होंने कहा कि राम मंदिर में भक्तों के दान संग्रह, उसकी दैनिक गिनती, सुरक्षित परिवहन और अंततः अधिकृत बैंक में जमा करने की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत और पारदर्शी है. उन्होंने बताया कि देश के प्रतिष्ठित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ अधिकारियों के साथ मंदिर के खातों का नियमित रूप से वित्तीय ऑडिट किया जाता है और अब तक की जांच में किसी भी प्रकार के बड़े वित्तीय गबन की कोई पुष्टि नहीं हुई है. हालांकि, विवाद को बढ़ता देख ट्रस्ट ने आंतरिक स्तर पर भी एक विस्तृत जांच शुरू कर दी है, जिसमें मुख्य रूप से पिछले महीनों के सीसीटीवी फुटेज की पुनरीक्षा और कैश हैंडलिंग प्रक्रिया की गहन पड़ताल शामिल है. अखिलेश यादव ने की न्यायिक संज्ञान की मांग: इसी बीच, पुलिस द्वारा संदिग्ध गतिविधियों के आरोप में 4 कर्मचारियों को हिरासत में लेने और उनके पास से 5 लाख रुपये की कथित रिकवरी होने का दावा भी सामने आ रहा है. इस मामले पर उत्तर प्रदेश की सियासत भी पूरी तरह गरमा गई है और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंदिर से करीब 5-7 करोड़ रुपये की बड़ी चोरी होने का आरोप लगाते हुए माननीय न्यायालय से इस विषय पर तत्काल स्वतः संज्ञान लेने की पुरजोर मांग की है. दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. रजनीश सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विशेष पत्र लिखकर इस पूरे कथित घोटाले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो या प्रवर्तन निदेशालय से जांच कराने की मांग की है. इस राजनीतिक हलचल के बाद सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी सक्रियता दिखाते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से पूरे मामले की एक विस्तृत और बिंदुवार रिपोर्ट तलब की है. संत समाज ने भी पारदर्शिता पर उठाए सवाल: इस मामले में महंत कमल नयन दास (जो कि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के घोषित उत्तराधिकारी हैं) ने निष्पक्ष जांच की मांग की है. उन्होंने कहा कि यदि पावन राम मंदिर के चढ़ावे में किसी भी स्तर पर कोई वित्तीय गड़बड़ी पायी जाती है, तो दोषियों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए. महंत कमल नयन दास के अलावा अयोध्या के कुछ अन्य प्रतिष्ठित संतों और विपक्षी नेताओं ने भी मंदिर की आंतरिक वित्तीय पारदर्शिता की मौजूदा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. वर्तमान में राम मंदिर के विशाल परिसर में भक्तों की सुविधा और चढ़ावे के लिए करीब चार दर्जन (48) बड़े दान पात्र अलग-अलग स्थानों पर स्थापित किए गए हैं. सच्चाई के लिए एसआईटी जांच रिपोर्ट का इंतजार: लाखों श्रद्धालुओं द्वारा इन दान पात्रों में चढ़ाया जाने वाला चढ़ावा मुख्य रूप से नकद नोट, सिक्के, सोने-चांदी के बिस्कुट और अन्य मूल्यवान आभूषणों के रूप में प्राप्त होता है. इस अकूत दान राशि की गिनती प्रतिदिन एक विशेष सुरक्षित कक्ष में की जाती है, जहां सुरक्षा के दृष्टिकोण से चारों तरफ हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. हालांकि, इस बीच अंदरूनी सूत्रों से एक यह खबर भी आई कि ट्रस्ट के ही एक बड़े पदाधिकारी द्वारा गिनती कक्ष में नए कैमरे लगाने का आंतरिक रूप से विरोध किया गया था. फिलहाल, ट्रस्ट का दावा है कि वर्ष 2024 से लेकर अब तक के पूरे वित्तीय संग्रह की गहन तकनीकी समीक्षा लगातार चल रही है और अभी तक कोई बड़ी विसंगति सामने नहीं आई है. ट्रस्ट ने अंततः सीएम योगी से एसआईटी जांच का अनुरोध कर इस संवेदनशील मामले को शांत करने और दूध का दूध व पानी का पानी करने का प्रयास किया है.

भगवान राम पर टिप्पणी करने वाले तीन युवकों के खिलाफ एफआईआर, बहराइच पुलिस तलाश रही, हिंदू संगठनों ने दी चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

बहराइच : नवाबगंज थाने में भगवान राम पर अभद्र टिप्पणी करने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. हिंदू संगठनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है. सोशल मीडिया पर कमेंट के बाद से हिंदू संगठनों में आक्रोश है. पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है.

रविवार को ढ्ढस्ठ्ठरूकी मटेरा में कार्यकर्ता सम्मेलन है, इसमें असदुद्दीन ओवैसी को भी शामिल होना है. हिंदू संगठन इसे लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. हनुमानगढ़ी से जुड़े महंत दीपक दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसमें ओवैसी के आने पर प्रदर्शन की बात कही थी. इस पर इलाके के रहने वाले तीन मुस्लिम युवकों ने सोशल मीडिया पर भगवान राम व संतों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की. इसकी जानकारी हिंदू संगठनों को हुई तो उन्होंने थाने पहुंच कर कार्यवाही की मांग की. नवाबगंज पुलिस ने यासीन मोहम्मद, रज्जब अली व फिरोज अंसारी पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. नवाबगंज थाने के प्रभारी रमाशंकर यादव ने बताया कि हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के मंडल अध्यक्ष राधिका रमन, मनीष पांडेय द्वारा एक तहरीर सौंपी गई है, जिसपर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. सभी आरोपियों की तलाश की जा रही है, जो भी दोषी होगा उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी. वहीं इस मामले में मनीष पांडेय ने बताया, यासीन मोहम्मद, रज्जब अली और फिरोज अंसारी ने भगवान श्री राम के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है और हमारे धर्मगुरुओं के खिलाफ भी गलत बोला है. नवाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है. अगर इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोग धरने पर भी बैठ जाएंगे. इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि दोबारा कोई भी विधर्मी हमारे भगवान श्री राम के खिलाफ बोलने की हिम्मत ना कर सके.

110 दिन बाद हटे चौकी इंचार्ज प्रशांत कुमार यादव को मिली नई तैनाती, जनता का कहना—क्या यही है भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था?

(यंग भारत न्यूज)

अकबरपुर, कानपुर देहात। जैनपुर चौकी में तैनात रहे चौकी इंचार्ज प्रशांत कुमार यादव को लेकर बीते लगभग 110 दिनों से क्षेत्र में लगातार चर्चाएं, शिकायतें और विवादों की बातें सामने आती रहीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और ऑडियो को लेकर भी क्षेत्र में काफी हलचल रही। इसके बाद उन्हें जैनपुर चौकी से हटाया गया, लेकिन दूसरी ओर उन्हें रसधान चौकी की कमान सौंप दिए जाने से जनता के बीच नए सवाल खड़े हो गए हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि किसी अधिकारी को लेकर इतने दिनों तक शिकायतें और चर्चाएं चलती रहीं, तो उनकी जांच का परिणाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। लोगों का सवाल है कि 110 दिन बाद केवल स्थानांतरण ही क्यों, आखिर शिकायतों का निस्तारण किस प्रकार हुआ ? जनता के बीच यह भी चर्चा है कि सरकार भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था का दावा करती है, तो फिर ऐसे मामलों में स्पष्ट और निष्पक्ष कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि आरोप गलत थे तो प्रशासन को खुलकर सफाई देनी चाहिए और यदि शिकायतों में तथ्य थे तो उचित विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, रसधान चौकी का प्रभार मिलने के बाद क्षेत्र में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या केवल एक चौकी से दूसरी चौकी भेज देना ही पर्याप्त कार्रवाई माना जाए ? स्थानीय नागरिक पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सच्चाई सार्वजनिक किए जाने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस विभाग की ओर से मामले को लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में जनता के सवाल और चर्चाएं लगातार जारी हैं।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718